संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 21
पृष्ठ 8
मंगलवार
07 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- करवा चौथ पर ये सोलह श्रृंगार...

विचार- टेरिफवार पर भारी भारत की...

खेल- रोहित ने 2012 में ही कर दी थी...

सीएम योगी ने काशी की बेटियों को दी सिलाई मशीन, बोले-

आत्मनिर्भर बन रही हैं बहन-बेटियां

वाराणसी, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काशी में दो दिवसीय दौरे पर आए हैं। सोमवार को शिवपुर स्थित अन्नपुर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय में आयोजित काशी अन्नपूर्णा अन्न क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा संचालित सिलाई–कढ़ाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के 14वें सत्रांत में शामिल हुए। इस अवसर पर सीएम योगी द्वारा लगभग 250 बालक–बालिकाओं में सिलाई मशीन, लैपटॉप एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के भव्य आयोजन के लिए अन्नपुर्णा आश्रम के महंत शंकरपुरी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मां अन्नपूर्णा की धरा पर 108 वर्षों से संचालित इस आश्रम में अनेक लोककारी कार्य किए जा रहे हैं। उसके लिए सीएम ने महंत शंकर पुरी व पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने सभी छात्र छात्राओं, बेटियों, बहनों को भी इस प्रकार के प्रशिक्षण के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मां जगत जननी के पूजन– अर्चन के बाद आज शरद पूर्णिमा के अवसर पर हम सभी मां अन्नपूर्णा के इस पुण्य कार्यक्रम में उपस्थित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में संचालित मिशन शक्ति कार्यक्रम में ये कार्यक्रम जुड़कर नारियों के स्वावलंबन के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव प्रस्तुत करता है। मां अन्नपूर्णा के प्रसाद स्वरूप ही हम अन्न को प्राप्त कर पाते हैं। सीएम ने कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि काशी का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जा रहा है। कहा कि प्रधानमंत्री के नारियों के उत्थान हेतु ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रदेश में 60 लाख महिलाओं को आवास प्रदान करना, 12 करोड़ से ज्यादा लोगों को शौचालय मुहैय्या कराना, 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को गैस कनेक्शन देना, तीन करोड़ लोगों को घरौनी मुहैया कराकर महिलाओं के लिए कार्य किए जा रहे हैं।

महिलाओं का सफर आसान कर रही सरकार

स्वास्थ्य, शिक्षा, स्किल मिशन के माध्यम से सरकार लगातार महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर उनका सफर आसान कर रही है। उन्होंने बताया कि दुनिया में कृषि के बाद सबसे अधिक लोगों को रोजगार वस्त्र सेक्टर देता है। उन्होंने महिलाओं से कहा कि आप जितनी सिलाई करेंगी, आपकी आय में उतनी अधिक वृद्धि होगी।

पूरे विश्व की महिलाएं पहनेंगी यहां तैयार किए गए कपड़े

उन्होंने प्रदेश में संचालित वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट का उदाहरण भी दिया और कहा कि महिलाएं यहां कपड़ा जो तैयार करेंगी उसको पूरे विश्व की महिलाएं पहनेंगी। प्रदेश की राजधानी में 1100 एकड़ में वस्त्र मित्र पार्क बन रहा। प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर टेक्सटाइल पार्क बनाया जा रहा है, जो आने वाले समय में वस्त्र रोजगार के लिए वरदान साबित होगा।

बिहार में बजा चुनावी बिगुल, दो चरणों में होगी वोटिंग

- 14 नवंबर को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार चुनाव को लेकर तारीखों का ऐलान हो गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने आज एक संवाददाता सम्मेलन में बिहार चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। इसके साथ ही बिहार में चुनाव आचार संहिता लागू हो गया। बिहार में कुल दो चरणों में चुनाव होंगे। बिहार में पहले चरण का वोट 6 नवंबर को डाले जाएंगे जबकि दूसरे चरण के मतदान 11 नवंबर को होंगे। चुनावी नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। बिहार में मुख्य मुकाबला भाजपा–जदयू की गठबंधन वाले एनडीए और राजद–कांग्रेस के गठबंधन वाले महागठबंधन के बीच है। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि बिहार में 7.43 करोड़ मतदाता हैं। इनमें से चार लाख वरिष्ठ नागरिक हैं और 14,000 मतदाता 100 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं। चौदह लाख मतदाता पहली बार मतदान कर रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची सभी राजनीतिक दलों को दे दी गई है। नामांकन दाखिल करने की तिथि के बाद जारी होने वाली मतदाता सूची अंतिम होगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग बिहार के मतदाताओं को बताना चाहता है कि हम कानून–व्यवस्था बनाए रखते हुए पारदर्शी तरीके से चुनाव संपन्न कराना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को पूरी तरह निष्पक्षता से काम करने और हितधारकों के लिए सुलभ रहने के निर्देश दिए गए हैं। अगर किसी मीडिया हाउस या व्यक्ति के माध्यम से कोई गलत सूचना मिलती है, तो चुनाव आयोग उसका खंडन करेगा। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि विश्वास बहाली के उपाय के तौर पर CAPF को पहले से तैनात किया जाएगा...सभी अधिकारियों को पूरी तरह निष्पक्ष तरीके से काम करना होगा।

बिहार चुनाव से पहले तेजस्वी का दावा: दलित-आदिवासी करेंगे एनडीए का सफाया

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनावों से पहले आत्मविश्वास जताते हुए, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि दलित और आदिवासी समुदायों ने आगामी विधानसभा चुनावों में एनडीए सरकार को हटाने का फैसला कर लिया है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान एएनआई से संक्षिप्त बातचीत में, यादव ने कहा कि सत्ता बदलने वाली है। बिहार बदलेगा। दलित और आदिवासी समुदायों ने मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाने का संकल्प लिया है। इससे पहले दिन में, तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मानसिक स्वास्थ्य और नेतृत्व क्षमता पर चिंता जताई और राज्य के लिए सही फैसले लेने की उनकी क्षमता पर सवाल उठाया। उन्होंने एक्स पर मुख्यमंत्री की अजीबोगरीब हरकतों का एक वीडियो पोस्ट करते हुए पूछा कि किसी राज्य के मुख्यमंत्री को इतनी दयनीय स्थिति में देखकर कैसा लगता है? राजद नेता ने पोस्ट में पूछा, षकिसी राज्य के मुख्यमंत्री को इतनी दयनीय हालत में देखकर कैसा लगता है? क्या माननीय मुख्यमंत्री जी ऐसी अजीबोगरीब हरकतें करते हुए आपको मानसिक रूप से स्वस्थ दिखाई देते हैं?

अखंड भारत की हुंकार: मोहन भागवत बोले- पीओके हमारा कमरा, उसे लेकर रहेंगे

सतना, एजेंसी। संपूर्ण भारत की एकता पर ज़ोर देते हुए, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने भारत के विभाजन का ज़िक्र किया और कहा कि हमारे घर का एक कमरा जो किसी ने हड़प लिया है, उसे वापस लेना होगा। सतना में सिंधी कैंप में एक गुरुद्वारे का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, भागवत ने कहा कि भारत के विभाजन ने उन लोगों को विस्थापित कर दिया जिन्हें अपना घर और सामान छोड़ना पड़ा। भागवत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत का एक कमरा बताया जिस पर अजनबियों ने कब्ज़ा कर लिया है और कहा कि इसे वापस लेना ही होगा।

भागवत ने कहा, ष्कई सिंधी भाई यहाँ बैठे हैं। मुझे बहुत खुशी है। वे पाकिस्तान नहीं गए; वे अविभाजित भारत गए। परिस्थितियों ने हमें उस घर से यहाँ भेजा है क्योंकि वह घर और यह घर अलग नहीं हैं।ष इस पर उपस्थित लोगों ने ज़ोरदार तालियाँ बजाईं। उन्होंने कहा कि पूरा भारत एक घर है, लेकिन किसी ने हमारे घर का एक कमरा हटा दिया है जहाँ मेरी मेज़, कुर्सी और कपड़े रखे रहते थे। उन्होंने उस पर कब्ज़ा कर लिया है। कल मुझे उसे वापस ले जाना होगा।

आरएसएस प्रमुख की यह टिप्पणी पीओके में बढ़ती अशांति के बीच आई है, जहाँ स्थानीय लोग पाकिस्तानी शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हज़ारों निवासी अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) द्वारा आयोजित रैलियों में शामिल हुए और आर्थिक सहायता और राजनीतिक सुधारों की मांग की। संघ प्रमुख ने कहा, "आज हम लोगों की स्थिति ऐसी है कि हम एक टूटा हुआ आईना देखकर अपने आपको अलग मान रहे हैं। एकता चाहिए. .. झगड़ा क्यों है? चाहे हम अपने आप को किसी भी या संप्रदाय का कहें लेकिन यह सत्य है कि हम सब एक हैं।

केजरीवाल का 'बिहार दांव': आप ने जारी की 11 उम्मीदवारों की पहली सूची, अकेले लड़ेगी चुनाव!

नई दिल्ली, एजेंसी। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा के आगामी चुनावों के लिए अपने 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। बिहार में नई पार्टी आप ने जुलाई में घोषणा की थी कि वह बिहार चुनाव लड़ेगी। हालाँकि पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान भारत ब्लॉक का हिस्सा थी, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की थी कि उनकी पार्टी बिहार चुनाव अकेले लड़ेगी। बाद में, आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने भी पुष्टि की कि पार्टी बिहार चुनाव अकेले लड़ेगी। आप की दिल्ली इकाई के प्रमुख भारद्वाज ने इस साल की शुरुआत में समाचार एजेंसी एएनआई से कहा था, हम बिहार चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ रहे हैं। पिछले बिहार विधानसभा चुनाव तीन चरणों में हुए थे – पहला चरण 28 अक्टूबर को, दूसरा चरण 3 नवंबर को और तीसरा चरण 7 नवंबर को।

ऐसी घटनाओं से फर्क नहीं पड़ता, जूता उछालने की कोशिश पर बोले सीजेआई गवई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को उस समय एक नाटकीय दृश्य देखने को मिला जब एक वकील ने सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की। जब आरोपी को अदालत कक्ष से बाहर ले जाया जा रहा था, तो वह चिल्लाया, भारत सनातन धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। आज की घटना ऐसे समय में हुई है, जब कुछ ही सप्ताह पहले मुख्य न्यायाधीश की व्यापक रूप से आलोचना हुई थी, क्योंकि उन्होंने मध्य प्रदेश में क्षतिग्रस्त विष्णु मूर्ति की पुनर्स्थापना से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए विवादास्पद टिप्पणी की थी जाओ और देवता से ही पूछो। आरोपी को तुरंत हिरासत में ले लिया गया, जबकि मुख्य न्यायाधीश गवई शांत रहे और बिना किसी रुकावट के कार्यवाही जारी रखी। उन्होंने कहा कि इस सब से विचलित न हों। ये बातें मुझे प्रभावित नहीं करतीं। सुनवाई जारी रखें। इस बीच, उन्होंने घटना पर चर्चा करने के लिए महासचिव और सुरक्षा प्रभारी सहित अदालत के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। घटना के प्रत्यक्षदर्शी एक वकील के अनुसार, जूता न्यायमूर्ति विनोद चंद्रन से बाल–बाल बचा, जिसके बाद आरोपी अधिवक्ता राकेश किशोर ने माफी मांगते हुए कहा कि जूता मुख्य न्यायाधीश के लिए था। सुप्रीम कोर्ट के वकील रोहित पांडे ने कहा कि आरोपी 2011 से बार एसोसिएशन का सदस्य है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि यह कृत्य मुख्य न्यायाधीश की देवता संबंधी टिप्पणी के जवाब में किया गया है। मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूँ और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की माँग करता हूँ।

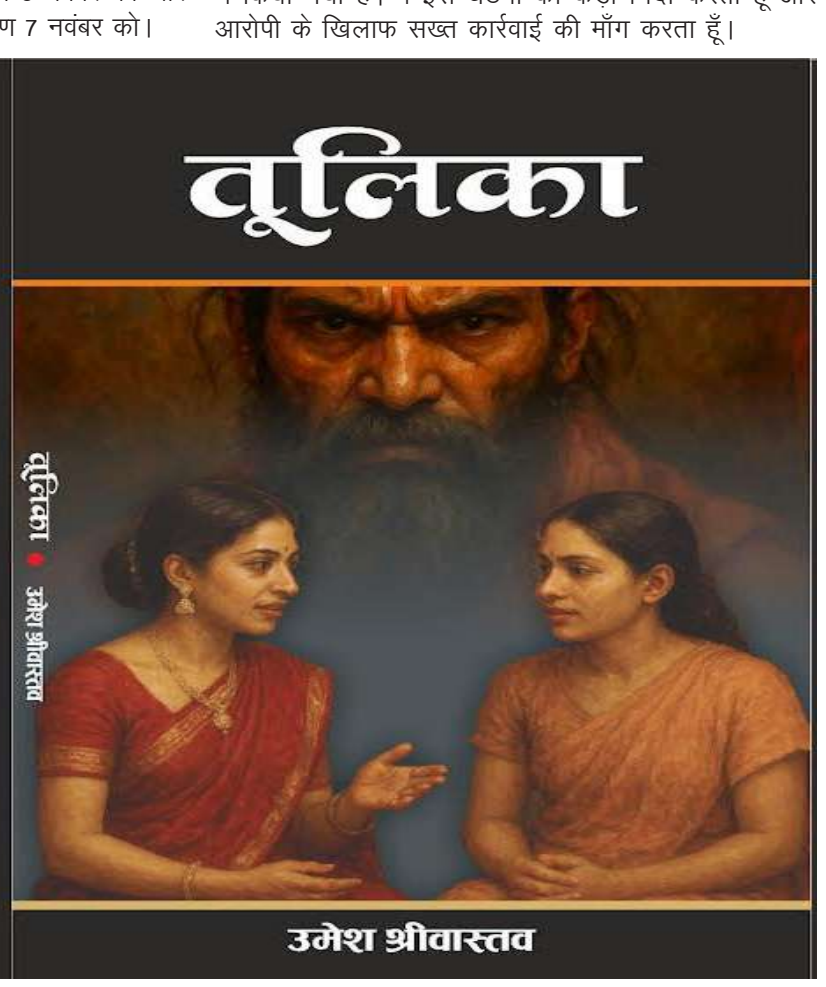

अंतर्निहित शक्तियों से अदालत खुद के फैसले नहीं बदल सकती, अर्जी खारिज करते हुए हाईकोर्ट की टिप्पणी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि हस्ताक्षरित फैसलों को अंतर्निहित शक्तियों के तहत बदला नहीं जा सकता, सिवाय तथ्यात्मक या लिपिकीय त्रुटियों के। इटावा निवासी लक्ष्मण की 42 साल पुराने आपराधिक मामले में दोषसिद्धि के फैसले पर पुनर्विचार की अर्जी खारिज की।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अंतर्निहित शक्तियों से अदालत खुद के फैसले नहीं बदल सकती। वह भी तब जब फैसले पर जजों के हस्ताक्षर हो चुके हों। कोर्ट की यह शक्ति न्यायिक प्रक्रिया

के दुरुपयोग को रोकने के लिए है न कि खुद के फैसले पर पुनर्विचार के लिए। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति विवेक बिरला, न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की खंडपीठ ने इटावा निवासी लक्ष्मण की ओर दाखिल समीक्षा और देरी माफी की अर्जी खारिज करते हुए की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जजों के हस्ताक्षर होने के बाद गुणदोष के आधार पर पारित फैसले में केवल तथ्यात्मक और लिपिकीय त्रुटियों को ही सुधारा जा सकता है।

याची की अपील खारिज कर कोर्ट ने 42 साल पुराने आपराधिक मामले में दोषी करार दिया था। याची ने इसके खिलाफ अर्जी दाखिल कर फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की थी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि फैसला उनकी अनुपस्थिति में पारित किया गया। याची के पुराने अधिवक्ता का निधन हो चुका है। इससे उन्हें आदेश की जानकारी नहीं हो सकी। क्योंकि, याची वर्तमान में पंजाब में रहता है। लिहाजा, कोर्ट सुनवाई का अवसर देते हुए फैसले पर पुनर्विचार करे।

प्रधान बनने का सपना नहीं हुआ पूरा, पांच साल गुजरे, अब चुनाव की तैयारी में जुटे

प्रयागराज। मेजा तहसील के 21 लोगों का प्रधान बनने का सपना पूरा नहीं हो सका। पांच साल तक चले मुकदमे में एसडीएम न्यायालय में तारीख पर तारीख मिलती रही लेकिन प्रधान की कुर्सी नसीब नहीं हो सकी। इधर, कार्यकाल भी बीतने को आ गया। अब मुकदमे की पैरवी करने के बजाय गांव में पंचायत चुनाव के मद्देनजर मतदाताओं को रिझाने में लोग जुट गए हैं। पिछले चुनाव में कम वोट से पराजित होने की बात बताकर अगले चुनाव में प्रधान बनाए जाने की वकालत कर रहे हैं।

मेजा में ग्राम प्रधान का चुनाव 15 अप्रैल 2021 को हुआ था। जिसमें से 23 ग्राम पंचायतों के प्रत्याशी दो, चार और नौ वोट से पंचायत चुनाव जीत कर प्रधान बन गए थे। दूसरे नंबर पर रहे प्रत्याशियों ने धांधली से चुनाव जीतने का आरोप लगाते हुए मेजा एसडीएम न्यायालय में उप्र पंचायती राज अधिनियम 1947 के तहत दोबारा मतगणना के लिए वाद दाखिल किया था। मेजा के दरी ग्राम पंचायत के विजय शंकर मिश्र को हरविलास यादव ने सात मतों से पराजित किया था। विजय शंकर ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए एसडीएम न्यायालय में पुर्नमतगणना के लिए वाद दाखिल किया है।

वहीं रामनगर में संगीता यादव बनाम जीरा देवी, उषा सिंह बनाम अनीता देवी, रंजना द्विवेदी बनाम रेनू पांडेय, सूर्यबली बनाम सतीश, सोनकली बनाम रेशमा देवी, राधेश्याम तिवारी बनाम मंगला प्रसाद सहित 23 गांव में कम मतों से पराजित हुए प्रत्याशियों ने वाद दाखिल किया था। इस पांच वर्ष में एसडीएम न्यायालय ने तिसेन तुलापुर और बभनी ग्राम पंचायत के दाखिल वाद में फैसला सुनाया बाकी 21 पराजित प्रत्याशियों के मुकदमे में सिर्फ तारीख पर तारीख मिलती रही। अब, प्रधान बनने का सपना 21 लोगों का सपना पूरा नहीं हो सका। बल्कि वह सभी लोग पुनरू पंचायत चुनाव में जुट गए हैं।

मतदाताओं को रिझाने के लिए दिन–रात एक कर दिया है। पंचायत चुनाव में बीएलओ द्वारा मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम बढ़ाने और घटाने के कार्य में प्रधान उम्मीदवारों की निगाह टिकी हुई है। आरोप–प्रत्यारोप भी शुरू हो गए हैं।

अधिवक्ताओं की हड़ताल की वजह से महीने भर तक कोर्ट नहीं चल पाई थी। अब नियमित कोर्ट चल रही है। फिलहाल पंचायत चुनाव नजदीक आ जाने से पुर्नमतगणना के लिए वाद दाखिल करने वालों में मुकदमे की पैरवी को लेकर दिलचस्पी कम दिख रही है। फिलहाल मुकदमे सुने जा रहे हैं। सुरेंद्र प्रताप यादव उप जिलाधिकारी मेजा।

तिसेन तुलापुर और बभनी में भी जीते प्रधान के पक्ष में आया था फैसला

तिसेन तुलापुर और बभनी ग्राम पंचायत के आए फैसले में भी पुर्नमतगणना का आदेश नहीं हुआ था। बल्कि जो प्रधान थे उन्हीं के पक्ष में फैसला आया था। दोनों ग्राम पंचायतों में पराजित प्रत्याशियों की मंशा पूरी नहीं हो सकी थी।

एक सप्ताह पहले घर से मुंबई गए युवक की सड़क हादसे में मौत

प्रयागराज। एक सप्ताह पहले गांव से मुंबई गए युवक की ट्रक हादसे में मौत हो गई। रोजी–रोटी की तलाश में निकले शंकरलाल का शव आने से अब गांव में मातम है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के जामहा यादव बस्ती निवासी कड़कू यादव के पुत्र शंकरलाल यादव (35) की मुंबई में दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। शंकरलाल पेशे से ट्रक ड्राइवर थे और कुछ दिन पहले घर से यह कहकर निकले थे कि उन्हें अपने भाई की शादी के लिए पैसे कमाने मुंबई जाना है। एक सप्ताह पूर्व शंकरलाल मुंबई पहुंचे थे। वहां माल भरने के बाद जब वह कंटेनर के पीछे सील देखने गए, तभी पीछे से एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। पिता कड़कू यादव, माता, पत्नी, भाई और बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल है। जैसे ही शंकरलाल का पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, पूरे जामहा में मातम छा गया। शंकरलाल अपने पीछे तीन भाई, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत, परिवार में कोहराम

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के जगतपुर रेलवे क्रॉसिंग से कुछ दूरी पर शनिवार की रात एक युवक ने ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी। सूचना पर रविवार को उतरांव पुलिस मौके पर पहुंचकर शव का शिनाख्त कराकर पीएम के लिए भेज दिया।

मंडौर गांव निवासी दीपचंद का बेटा राहुल (27) से शनिवार की रात पत्नी से किसी किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। जहां राहुल पत्नी से नाराज होकर रात में ही घर छोड़कर चला गया था। रविवार को सुबह जगतपुर रेलवे ट्रैक पर उसका शव पड़ा मिला। परिजनों को जानकारी हुई तो कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में गांव के लोग एवं परिजन मौके पर पहुंच गए। मृतक राहुल दो भाइयों में बड़ा था। गांव में ही मोबाइल शॉप की दुकान चलाता था। करीब छह साल पहले राहुल ने प्रेम विवाह किया था। राहुल के निधन से पत्नी सपना, बेटी परी, बहन राधा, मां और पिता दीपचंद का रो–रोकर बुरा हाल है। थाना अध्यक्ष उतरांव प्रीतम तिवारी ने बताया कि शव को पीएम के लिए भेजा गया है।

दीपावली शिल्प मेला में लगेंगे खानपान के 12 स्टॉल

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के परिसर में बारह दिवसीय दीपावली शिल्प मेला का आयोजन आठ अक्तूबर से होने जा रहा है। मेला में खानपान के कुल बारह स्टॉल लगाए जाएंगे। इसके अलावा कालीन, कारपेट, हैंड ब्लॉक प्रिंट बेडशीट, सुपारी, स्वीट कार्न, चाय–कॉफी आदि के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान थीम को अपनाने के लिए सभी दुकानदारों से अलग से आवेदन फार्म भराया जाएगा। जिससे परिसर को स्वच्छ रखा जा सके।

गांधी का पुनर्पाठ केवल आलोचना नहीं, संवाद हैः प्रो. राकेश सिंह

प्रयागराज। भारत विकास परिषद, प्रयाग शाखा की ओर से एक होटल में 'वर्तमान परिदृश्य में गांधी और शास्त्री की प्रासंगिकता विषय पर शनिवार को संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि प्रो. राकेश सिंह ने कहा कि गांधी का पुनर्पाठ केवल आलोचना नहीं बल्कि संवाद है। ऐसा संवाद जो नैतिकता, सत्ता और मनुष्य के रिश्ते को पुनः परिभाषित करता है। उन्होंने कहा कि गांधी की विचार यात्रा में निरंतर परिवर्तन, आत्म–समीक्षा और नैतिक द्वंद विद्यमान है। उनका ब्रह्मचर्य आदर्श आधारित था, परंतु उसके प्रयोग व्यावहारिक नैतिक द्वंद से भरे थे। आज जब वैश्विक राजनीति हिंसा, सत्ता केंद्रितता और सांस्कृतिक विभाजनों से ग्रस्त है, तब गांधी की नैतिक दृष्टि फिर से अर्थपूर्ण हो उठती है।

उनका सत्याग्रह आज जलवायु न्याय, सामाजिक समानता और जातिवाद विरोधी आंदोलनों के भीतर प्रतिध्वनित हो रहा है। लाल बहादुर शास्त्री को स्मरण करते हुए प्रो. राकेश ने कहा कि उन्होंने हरित क्रांति, दूध क्रांति और महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। प्राचार्य प्रो. अंजना श्रीवास्तव ने कहा कि गांधीजी और शास्त्रीजी के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। संचालन सचिव प्रो. सुनीलकांत मिश्र ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापित प्रो. उमेश प्रताप सिंह ने किया।

तीन माह में अली से सात बार मिलने पहुंचा था उसका छोटा भाई अबान

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के बेटे अली को प्रशासनिक आधार पर केंद्रीय कारागार नैनी से बीते एक अक्तूबर को झांसी जिला जेल स्थानांतरित कर दिया गया। उसके स्थानांतरण के पीछे लगातार आ रही उसकी मुलाकात को कारण बताया जा रहा है।

जुलाई, अगस्त और सितंबर में अली का छोटा भाई अबान सात बार उससे मिलने पहुंचा था। उमेश पाल हत्याकांड के बाद अली से कुछ माह तक तो कोई मुलाकात करने नहीं पहुंचा था, इसके बाद उसके अधिवक्ता उससे आया करते थे। अली का छोटा भाई अबान बीते 17 सितंबर को उससे आखिरी बार मुलाकात करने पहुंचा था। मुलाकात का सिलसिला शुरू होने के बाद उसका जेल ट्रांसफर कर दिया गया।

बता दें कि रंगदारी मामले में 30 जुलाई 2022 को नैनी जेल में पहुंचा अली यहां पर

तीन साल दो माह तक रहा। 24 फरवरी 2023 को राजूपाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या के बाद कुछ माह तक उससे कोई मुलाकात नहीं आई। इसके बाद उसके अधिवक्ता उससे मुलाकात करने पहुंचते थे। उनकी मुलाकात जेल अधिकारियों और एलआईयू के सामने कराई जाती थी। अली की बैरक से बीते 17 जून को डीआईजी जेल राजेश श्रीवास्तव ने नकदी बरामद की थी। इसके बाद से उसके जेल ट्रांसफर के कयास लगाए जा रहे थे।

वहीं सूत्रों की मानें तो नकदी मिलने के बाद जेल प्रशासन ने अली के लिए आने वाले पार्सल पर रोक लगा दी थी। जेल में केवल अधिवक्ताओं की मुलाकात व पार्सल पर रोक के कारण अली से उसके छोटे भाई अबान ने मुलाकात करनी शुरू की थी। तीन माह में अबान सात बार मुलाकात करने पहुंचा था। हालांकि, जेल प्रशासन द्वारा एलआईयू के सामने उसकी मुलाकात कराई जाती थी। वरिष्ठ जेल अधीक्षक विजय विक्रम सिंह ने बताया कि जेल मैनुअल के अनुसार विचाराधीन बंदी की सप्ताह में तीन मुलाकात कराए जाने का प्रावधान है।

मैनुअल के अनुसार ही अली की मुलाकात कराई जाती थी। एलआईयू व जेल अधिकारियों की मौजूदगी में उसकी मुलाकात कराई जाती थी।

संघ स्थापना के शताब्दी वर्ष पर शंकरगढ़ में भव्य पथ संचलन

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को नगर में भव्य पथ संचलन निकाला गया। कार्यक्रम की शुरुआत राजाकमलकर इंटर कॉलेज परिसर से हुई, जहां सभी स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में एकत्र हुए। संघ का गीत सामूहिक रूप से दोहराया गया और शस्त्र पूजा की गई। इसके उपरांत स्वयंसेवकों ने अनुशासित स्वरूप में पथ संचलन प्रारंभ किया, जो राजकमलकर इंटर कॉलेज से पुरानी बाजार, शिक्षक नगर, राम भवन चौराहा, सदर बाजार तथा लाइनपार होते हुए पुनः राम भवन चौराहे पर आकर संपन्न हुआ। मार्ग में जगह–जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर पथ संचलन का स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों के साथ विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। नगर में पहली बार संघ के शताब्दी वर्ष पर निकाले गए इस पथ संचलन को लेकर लोगों में उत्साह देखा गया।

बेसहारा बुजुर्गों की सहायता का संकल्प

प्रयागराज। दारागंज स्थित पूर्वांचल विकास समिति की ओर से संचालित धनराज वृद्धाश्रम का दूसरा स्थापना दिवस रविवार को हिन्दुस्तानी एकेडमी में आयोजित किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच सभी ने बेसहारा बुजुर्गों की सहायता का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी ने आश्रम के कार्यों की सराहना करते हुए स्वयं आश्रम के कार्यकर्ता के रूप में सहयोग करने को कहा। विशिष्ट अतिथि डॉ. हर नारायण सिंह ग्रुप ऑफ कॉलेज के निदेशक डॉ. उदय प्रताप सिंह वृद्धजनों से मुलाकात करते हुए आश्रम की हरसंभव मदद की बात कही। आश्रम के अध्यक्ष पूर्व जज जनार्दन सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया तथा आश्रम की योजनाओं पर प्रकाश डाला।

आश्रम की निदेशक सुजाता पांडेय ने दो वर्षों में हुए आश्रम के कार्यों को प्रस्तुत किया। आश्रम के कोषाध्यक्ष डॉ. शिवम पांडेय, सदस्य शुभम सुयार, डॉ. हर्षवर्धन, शुभम पांडेय, पवन मिश्रा, अविनाश यादव, विभु रॉय आदि ने आयोजन में सहयोग किया। संचानन आभा माथुर ने किया। पूर्णिमा देवकुमार एवं देवेश कुमार की ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया।

उत्तरकुंजी में एक प्रश्न डिलीट तो पूर्णांक में कैसे कटऑफ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में विज्ञापन संख्या संख्या 51 के तहत आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी विषय की उत्तरकुंजी को लेकर विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अभ्यर्थियों ने सवाल उठाया है जब अनंतिम उत्तरकुंजी में ही एक प्रश्न डिलीट कर दिया गया था तो अभ्यर्थियों का कटऑफ पूर्णांक में कैसे जारी हुआ है। अभ्यर्थियों का कहना है कि लिखित परीक्षा में कुल 100 प्रश्न (30 सामान्य अध्ययन और 70 मुख्य विषय) से पूछे गए थे। बहुविकल्पीय प्रकार के प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित थे यानि लिखित परीक्षा का पूर्णांक 200 अंक का था। नियमानुसार किसी भर्ती के बीच में परीक्षा का पूर्णांक बदला नहीं जा सकता है। प्रश्न डिलीट किए जा सकते हैं, सीटें घट–बढ़ सकती हैं पर पूर्णांक नहीं बदला जा सकता। आयोग ने आपत्ति लेने से पहले स्वतः प्रश्न संख्या 95 डिलीट कर दिया था। लिहाजा कुल प्रश्नों की संख्या 100 की बजाय 99 हो गई पर पूर्णांक 200 अंक का ही रहेगा। यानी अब एक सवाल पर अंक दो की बजाय 2.020 (200३99) हो जाएगी। ऐसी स्थिति में मेरिट का पूर्णांक में रहना संभव ही नहीं, उसका दशमलव में आना लाज़िमी है। आयोग ने हटाया था शसिंदूर की होलीश वाला प्रश्न प्रयागराज। असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी की परीक्षा आवेदन के तीन वर्ष बाद 17 अप्रैल 2025 को हुई थी। आयोग ने इस विषय के प्रश्न संख्या 95 शसिंदूर की होलीश नाटक के प्रकाशन वाला डिलीट कर दिया था क्योंकि दिए गए चारों विकल्प गलत थे।

अमरनाथ छात्रावास के वार्डन बने प्रो. अनुपम पांडेय

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय भूगोल विभाग के प्रो. अनुपम पांडेय को अमरनाथ झा छात्रावास का वार्डन और डॉ. प्रदीप कुमार सिंह (अर्थशास्त्र) को अधीक्षक बनाया गया है। सर गंगानाथ झा के वार्डन प्रो. मनोज कुमार (अंग्रेजी), अधीक्षक डॉ. नरसिंह कुमार (मनोविज्ञान) बनाए गए हैं। पीसीबी के वार्डन प्रो. राहुल पटेल (मानवशास्त्र), अधीक्षक डॉ. आरपी सिंह (प्राचीन इतिहास) बने हैं। डायमंड जुबली के वार्डन प्रो. राजेश कुमार गर्ग (हिंदी), अधीक्षक डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह (दर्शनशास्त्र) और सहायक अधीक्षक डॉ. मनीष कुमार गौतम (शिक्षाशास्त्र) बनाए गए हैं। सर सुंदरलाल के वार्डन प्रो. कुमार वीरेन्द्र सिंह (हिंदी), अधीक्षक डॉ. पवन कुमार शर्मा (भूगोल) बने हैं।

रामलीला से फुर्सत हुए तो सोशल मीडिया पर जुड़े कलाकार

प्रयागराज। प्रयागराज में रामलीला का दौर समाप्त होने को है। रामलीला के लिए चयनित पात्रों ने रिहर्सल से लेकर रामलीला के मंचन के दौरान सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से

दूर बना रखी थी लेकिन पिछले दो दिनों से फेसबुक व इंस्टाग्राम पर रामलीला की एक से बढ़कर एक तस्वीरों को अपलोड कर रहे हैं। पथरचट्टी में चौथी बार सीता की भूमिका निभाने वाली श्रेया सिंह ने ड्रेस डिजाइनर की विभिन्न पोशाकों के साथ तस्वीर शेयर की है। जबकि बाघंबरी क्षेत्र श्री रामलीला कमेटी की रामलीला में पहली बार सीता बनी शालिनी सिंह ने कई प्रसंगों की तस्वीरों को साझा किया है।

उम्र के आखिरी पड़ाव में शस्त्र से आजिज आए बुजुर्ग

प्रयागराज। 25 की उम्र में शस्त्र लाइसेंस जारी कराया और 70 की उम्र में वापसी के लिए आवेदन किया। जिले में इन दिनों कुछ ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है। शस्त्र अनुभाग में लाइसेंस निरस्त करने के आवेदन खूब आ रहे हैं। जिसमें कारण यही बताया जा रहा है कि अब इसकी आवश्यकता नहीं है। दरअसल, शस्त्र लाइसेंस अधिकांश लोग शौक के लिए जारी कराते हैं। दिखावे के लिए डीबीएल और राइफल तो छिपाकर रखने के लिए पिस्टल के लाइसेंस लिए जाते हैं। जब शस्त्र की जरूरत नहीं होती है तो लोग प्रशासन की अनुमति से दुकानों पर रखते हैं, जिसका महीने का किराया देना होता है। जिले में लगभग तीन हजार लोग ऐसे हैं, जिनके लाइसेंसी शस्त्र दुकानों में किराए पर रखे हैं। कई तो शस्त्र से अधिक किराया दे चुके हैं। इन लोगों ने अब शस्त्र लाइसेंस वापसी के लिए आवेदन करना शुरू किया है। प्रतिमाह डेढ़ सौ से अधिक आवेदन प्रशासनिक अफसरों के पास आते हैं, जिसमें अधिकांश लोगों की आयु 70 साल पार हो चुकी है। सिटी मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह का कहना है कि ऐसे तमाम लोग हैं जो अपने शस्त्र

लाइसेंस वापस करने के लिए आ रहे हैं। इनमें अधिकांश बुजुर्ग ही हैं। जिले में 42 हजार से अधिक हैं लाइसेंसधारी इस वक्त जिले में 42 हजार से अधिक लाइसेंसधारी हैं। जिसमें लगभग 10 हजार लाइसेंस सिक्योरिटी एजेंसी और खिलाड़ियों ने लिए हैं। इसके बाद अधिकांश लोगों ने सुरक्षा कारण को आधार बताया और कुछ लाइसेंस पूर्व सैनिकों ने ले रखे हैं।

संगम के पास गंगा में सीधे बह रहा नाले का पानी

प्रयागराज। संगम के पास नाले का पानी सीधे गंगा में बहाया जा रहा है। जिस स्थान पर नाले का पानी गंगा में बहाया जा रहा, उससे चंद मीटर की दूरी पर दारागंज श्मशान घाट है। श्मशान घाट पर लोग अंतिम संस्कार करने के बाद गंगा स्नान करते हैं। 24 घंटे गंगा में गिर रहा नाले का पानी पास से आवागमन करने वाले जिम्मेदार भी देख रहे हैं, लेकिन किसी ने न कार्रवाई की और न ही पूछताछ। आसपास के लोगों ने बताया कि कई दिनों से नाले का पानी मोरी गेट से गंगा में बहाया जा रहा है। नाले का पानी गंगा में गिरने के बाद साफ तौर पर झाग देखा जा सकता है। मोरी गेट के बहाया जा रहा पानी नियमानुसार अलोपीबाग और मम्फोर्डगंज पंपिंग स्टेशन के जरिए शोधन के लिए राजापुर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में भेजा जाना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। अलोपीबाग के पूर्व पार्षद कमलेश सिंह कहते हैं कि एसटीपी में भेजा जाने वाला लाखों लीटर नाले का पानी गंगा में क्यों बहाया जा रहा, यह रहस्य बना हुआ है।

तो क्या दस हजार पशुओं का चारा खा रही थीं पंचायतें

प्रयागराज। तो क्या दस हजार पशुओं का चारा खा रही थीं पंचायतें? यह सवाल उठा है सीडीओ की ओर से कराई गई एक जांच के बाद। इसमें पाया गया कि गोशालाओं में गोवंशों की जो संख्या बताई गई है, वास्तव में वहां उससे लगभग दस हजार गोवंश कम हैं। शासन से इन दस हजार गोवंश के नाम पर भी चारा का बजट लिया जा रहा था। सीडीओ की पहल पर अब गोशालाओं की सूची संशोधित की गई है।

ऑल इंडिया एंटी करप्शन टीम ने आंगनबाड़ी केंद्र गोयला की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को सोफा ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। आंगनबाड़ी केंद्र पर अनेक कमियां है, जेसे शौचालय बंद रखना, पेयजल खराब, राशन वितरण करने की सूचना अभिभावकों को नहीं देना, आंगनबाड़ी केंद्र खुलने का निश्चित समय नहीं है एवं आंगनबाड़ी स्टाफ ने आंगनबाड़ी खोलने के लिए अपने अलग अलग दिन बाट रखे हैं, जिससे बच्चों को पढ़ाई से वंचित रहना पड़ता है, आंगनबाड़ी सेविका द्वारा बच्चों का राशन पूर्ण रूप से नहीं दिया जाता जानकारी करने पर अधिकारी से बात करना बताया जाता है। सभी समस्याओं को देखते हुए क्ड साहब को ज्ञापन दिया जिसमें विक्की चावला (जिला अध्यक्ष),संजय गोस्वामी (जिला उपाध्यक्ष), मौहम्मद नदीम अंसारी (जिला महामंत्री), रविकांत (जिला सचिव), विपिन सिंघल, संजय चावला, संजय गुप्ता, सुरेंद्र कुमार, प्रवीन कुमार,विनय कुमार, अनिल गर्ग, विजय गोयल, गौरव सिंघल, सन्नी अहलूवालिया, नितिन बालियान, श्रय मित्तल मौजूद रहे।

दिल्ली में सम्मानित हुई प्रयागराज की कवियत्री डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय पूर्णा

दिल्ली। यमुना विहार के महाराजा अग्रसेन भवन में साहित्य उपवन रचनाकार मंच के तृतीय स्थापना दिवस पर साहित्य सम्मान और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया एवं हौसलों के हमसफर साझा संकलन का विमोचन किया गया। कार्यक्रम

में प्रयागराज की कवियत्री डॉ पूर्णिमा पांडेय श्पूर्णाश को अंगवस्त्र , स्मृति चिन्ह ,सम्मान पत्र और किताबें देकर सम्मानित किया गया। डॉ पूर्णिमा पांडेय ने ष्रतन कहार पर घनाक्षरी शानदार ढंग से प्रस्तुत की और वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम का संचालन आर डी गौतम ने शानदार ढंग से किया। अंत मे गुरु माता डॉ सुनीता सक्सेना ने आशीर्वाद दिया। संस्थापक रोहित रोज ने कृतज्ञता ज्ञापित की। उपस्थित गणमान्य कवियों में डॉ अशोक मधुप, डॉ राकेश सक्सेना, डॉअनिल बाजपेई, डॉ महेश दिवाकर, ओमप्रकाश प्रजापति, सुधा बसोर, रजनी रोहित, जगदीश गोकलानी, डॉ कृष्णकांत मिश्र, हुमा खातून आदि उपस्थित रहे।

आरेडिका में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति/रायबरेली की अर्द्धवार्षिक बैठक

रायबरेली। आरेडिका में राजभाषा विभाग के सौजन्य से राजभाषा के कार्यों की समीक्षा हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 11वीं अर्द्धवार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा मुख्य अतिथि एवं गृहमंत्रालय (राजभाषा कार्यान्वयन/गाजियाबाद) के उप निदेशक डा0 छबिल कुमार मेहेर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में नराकास रायबरेली के ''लोगो'' ''न्यूज बुलेटिन'' तथा छमाही पत्रिका ''अभिज्ञान'' का अनावरण किया गया। आरेडिका महाप्रबंधक ने अपने उद्बोधन में कहा कि नराकास रायबरेली हिंदी के विकास के लिए बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहा है। आरेडिका का राजभाषा विभाग भी कदम से कदम मिला कर चल रहा है। आरेडिका ने राजभाषा के विकास के साथ–साथ पर्यावरण के लिए भी उल्लेखनीय कार्य किए है। जिससे यहाँ की वायु गुणवत्ता में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। डा0 मेहेर ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें आम बोल चाल के अंग्रजी के शब्दों जैसे– स्कूल, रिजर्वेशन, लेट, ऑफिस, आदि की जगह हिन्दी के शब्दों जैसे– विद्यालय, आरक्षण, विलम्ब, कार्यालय, का प्रयोग करना चाहिए। हमें औपचारिक कार्यक्रमों से आगे बढकर हिंदी को जन–जन की भाषा बनाना है। नराकास के सदस्य सचिव एवं राजभाषा अधिकारी बैंक ऑफ बडौदा योगेश कुमार मिश्रा ने बताया कि नराकास रायबरेली ने पिछले 6 माह में 20 बैठकें एवं 8 कार्यशालाएं आयोजित की। इसी श्रेणी में नराकास/रायबरेली के तत्वाधान में विभिन्न कार्यालयों द्वारा प्रतियोगिताएँ करायी गयीं जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कार्मिकों को पुरस्कृत किया गया। इस वर्ष गॉधीनगर में सम्पन्न हुए पॉचवीं अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन की बैठक में नराकास रायबरेली को प्रोत्साहन श्रेणी के अन्तर्गत सम्मिलित किया गया। इस अवसर पर आरेडिका के महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी रमेश चन्द्र, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी अष्टानन्द पाठक, राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन, व नराकास के उपाध्यक्ष, सदस्य सचिव सहित रायबरेली के 25 सदस्य कार्यालयों के प्रतिनिधि अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ नगर ने संघ का शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विजयादशमी -उद्बोधन कार्यक्रम का किया शुभारंभ

कार्यक्रम में मूसलाधार बारिश में भी स्वयंसेवक संघ स्थान में जमें रहें

विश्वनाथ, असम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाने के साथ विश्वनाथ जिला समिति के विश्वनाथ नगर के सौजन्य में शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन के खुले प्रांगण में कल अपराह्न 3 बजे विजयादशमी –उद्बोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम भारत माता के फोटो के समीप दीप प्रज्वलित किया गया।

इसके बाद कुछ व्यायाम –योग, आसन और सामूहिक समता प्रदर्शन किया गया। भगवा ध्वज फहराया गया और जिला प्रचारक के नेतृत्व में सामूहिक गीत प्रस्तुत हुआ। इसके बाद अमृत वचन और व्यक्तिगत गीत प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् बौद्धिक के रूप में उपस्थित उत्तर असम प्रांत के सह सेवा प्रमुख विष्णु दत्त ने अपने बौद्धिक मंतव्य में संघ के एक सौ वर्षों के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यपद्धति पर अपना विचार व्यक्त किए। इसके बाद उन्होंने असम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आगमन और देश के लिए अपने जीवन को बलिदान किए स्वयंसेवक का भी जिक्र किया। विशेष बात यह है कि लगभग आधे घंटे तक मूसलाधार बारिश के बीच भी विष्णु दत्त अपना बौद्धिक भाषण देते रहे और स्वयंसेवक डटे हुए मैदान जमे रहे।

इस अवसर पर बौद्धिक के रूप में उत्तर असम प्रांत के सह सेवा प्रमुख विष्णु दत्त, विश्वनाथ जिला के प्रचारक कार्तिक गढ़ , विश्वनाथ नगर कार्यवाह अपूर्व कुमार दास , स्वयंसेवक के रूप में विश्वनाथ विधायक प्रमोद बरठाकुर, विश्वनाथ चारिआलि के पौरपति अमरज्योति बरठाकुर, बिहाली विधायक दिगंत घाटोवाल, भाजपा विश्वनाथ जिला के अध्यक्ष असीम दास , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ जिला के व्यवस्था प्रमुख छत्तर सिंह पंवार, जिला मुख्य मार्ग प्रमुख डॉ० सरजीत दास, संघ के विविध क्षेत्र के पदाधिकारी तथा प्रायः साढ़े तीन सौ (350) स्वयंसेवक, सेविका मौजूद थे।

देल्हूपुर के बंद प्राचीन नाले की समस्या उठी लोकपाल के समक्ष

लोकपाल ने बीडीओ को अबिलम्ब समाधान का दिया निर्देश

प्रतापगढ़। मांधाता ब्लाक के खरवई ग्राम पंचायत में भ्रमण के दौरान ग्राम वासियों ने पौराणिक चनौरा ताल से निकलने वाले प्राचीन नाले की समस्या से लोकपाल मनरेगा समाज शेखर को अवगत कराया। लोकपाल ने ग्राम पंचायत को इस समस्या के समाधान हेतु ग्राम वासियों व राजस्व विभाग की मदद से नाला खुदाई कराने का निर्देश दिया। वहीं खंड विकास अधिकारी को पर्यवेक्षण कर समस्या का अबिलम्ब समाधान कराये जाने की अपेक्षा की।

लोकपाल समाज शेखर मांधाता ब्लाक के खरवई ग्राम पंचायत में ग्राम वासियों तथा क्षेत्रीय समाज द्वारा बकुलाही नदी के किनारे गजेहडा जंगल के बगल जंगल बाबा के संयोजन में सिद्ध पीठ श्री बालाजी धाम पर आयोजित बैठक में प्रतिभाग करने के दौरान ग्राम वासियों ने बताया की नाला अवरुद्ध होने से सैकड़ों बीघा भूमि नष्ट हो रही है। सभी ने आवरुद्ध नाले की खुदाई कराके रास्ता बहाल किये जाने की माँग की। उपस्थित ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने अवगत कराया की समस्या

के समाधान हेतु राजस्व व विकास विभाग के माध्यम से जल्द समाधान कराया जायेगा। लोकपाल ने बीडीओ मांधाता से समस्या की गम्भीरता के दृष्टीगत राजस्व विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर यथाशीघ्र आवश्यक नाला खुदाई व सफाई कराके समस्या का समाधान कर अनावश्यक जल प्लावन को नियंत्रित किये जाने की अपेक्षा की है।

इस अवसर पर पूर्व प्रमुख गौरा पूर्णान्शु ओझा, जांबाज हिंदुस्तानी सेवा समिति के आलोक आजाद, आलोक तिवारी , समाजसेवी सभापति द्विवेदी, प्रदीप मिश्र, राजीव नयन व तांत्रिक लल्लू महाराज आदि शामिल रहे।

...स्वाभिमान महासम्मेलन में पूर्व एमएलए योगेश वर्मा की जुबां पर आया लोकसभा चुनाव में हार का दर्द

बोले–अगर आस्तीन के सांप घर बैठ जाते तो बीजेपी का इलाज बना देता, चोरी की वोट से सांसद बने अरूण गोविल

मुजफ्फरनगर। लोकसभा चुनाव में पत्नी पूर्व मेयर सुनीता वर्मा की हार का दर्द पूर्व एमएलए योगेश वर्मा की जुबां पर आ गया। स्वाभिमान महासम्मेलन में वो मंच से खुलकर बोले–कहने लगे आस्तीनों के साप यदि घर बैठक जाते तो मैं बीजेपी का इलाज बना देता और बुल्डोजर पर ब्रेक लग जाता है। उन्होंने फिर बड़ा आरोप लगाया है कि बीजेपी के अरुण गोविल चोरी की वोटों से सांसद का चुनाव जीते हैं। 65 हजार दलित और मुस्लिमों की वोट कटवा दी और बीजेपी वालों ने एक लाख फर्जी वोट बनवा दी। अगर हम लोकसभा चुनाव जीत जाते तो पूरे देश में एक बड़ा संदेश जाता, लेकिन हमारे ही कुछ लोगों ने नहीं चाहा कि चुनाव जीत जाएं, जबकि सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने बड़ा दिल दिखाते हुए दलित को टिकट दिया था। यदि मैं चुनाव जीत जाता तो फिर 2027 में 20 जनरल सीटों पर दलितों को टिकट दिलाकर लाता। उन्होंने ये भी कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हेलीकॉप्टर से टिकट भेजा था और बड़ा संदेश दिया था, ये सुनते ही तालियों की गड़गड़ाहट शुरू हो गई, उन्होंने कहा कि मेरे समाज को एक जुट होने की जरूरत है और अपनी ताकत दिखाने की भी। दो अप्रैल को मेरी कमर पर लात मारी गई और ये मेरा नहीं मेरे समाज का अपमान था मुझे उसका बदला लेना है। पूर्व मेयर सुनीता वर्मा ने भी किठौर के लोगों का धन्यवाद किया आपने मुझे दिल खोलकर वोट दी इसलिए आपका धन्यवाद। दरअसल, पूर्व एमएलए योगेश वर्मा ने अपनी समाज को जोड़ने और मजबूत करने के लिए किठौर विधानसभा में नंगला मल रोड पर किसान फार्म में स्वाभिमान सम्मेलन किया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

वहशी पिता ने किया पुत्री के साथ ज़बरदस्ती का प्रयास

भोपा। कई बार छेड़छाड़ करने के बाद कमरे मे सोई पुत्री के साथ पिता ने ज़बरदस्ती करने की शर्मनाक घटना को अंजाम देने का प्रयास किया है। पीड़िता ने पिता के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। भोपा थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव निवासी 20 वर्षीय युवती ने थाने पर तहरीर देकर बताया की उसका पिता दूसरे धर्म के व्यक्तियों के फेर मे आकर टोने टोटको मे विश्वास करता है। पिता उस पर बुरी नजर रखता है। उसे अकेला पाकर अक्सर उसके साथ अश्लील हरकतें करता रहता है।शनिवार की रात पीड़िता परिजनों संग कमरे सोई हुई थी की रविवार की सुबह पीड़िता का भाई जब लघु शंका के लिए टॉयलेट मे गया हुआ था तभी पिता ने अंदर से दरवाजा लॉक कर दिया व सोते समय उसके साथ अश्लील हरकतें करते हुए दुष्कर्म का प्रयास किया।पीड़िता ने विरोध किया और द्वार खोलकर बाहर आई व मदद के लिए शोर मचाया। शोर सुनकर टॉयलेट से बाहर आये भाई पर आरोपी पिता ने छुरी से प्रहार करने का प्रयास किया।जिसमें वह किसी प्रकार बच गया। पीड़िता ने पिता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीश कुमार ने बताया की तहरीर के आधार पर आरोपी जलधीर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

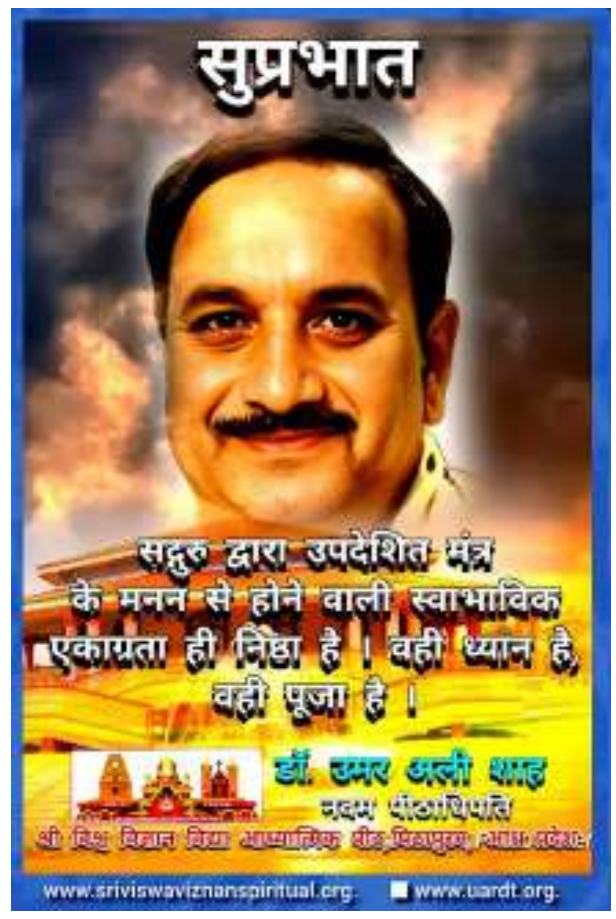

रात की रानी

(कुण्डलिया)

चिकनी छोटी पत्तियाँ, सुन्दर सफेद फूल।
गमगम गमके रात में, मौसम के अनुकूल।
मौसम के अनुकूल,सदा जो हँसते रहते।
उसे प्यार से लोग, रात की रानी कहते।
सुन लो कहें प्रदीप,चाँदनी छूकर कहती।
तारों सा है रूप, पंखुरी भी है चिकनी।।

जिसके दर्शन को सदा, तरस रहे आदित्य।
हँसते हैं वे रात में, पा शशि का सान्निध्य।
पा शशि का सान्निध्य, ठिठोली कलियाँ करती।
अंतस में भर महक,रात की रानी हँसती।
सुन लो कहें प्रदीप,खेलती परियाँ जिससे।
पत्ती के ही साथ, फूल हैं औषधि जिसके।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

उर्दू हिंदी संगम द्वारा साहित्यिक गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रयागराज। नातिक़ ग़ाज़ीपूरी, हसन फ़तेहपूरी और हिजाब इमामपूरी के प्रयागराज आगमन पर उर्दू हिन्दी संगम द्वारा साहित्यिक गोष्ठी वरिष्ठ उर्दू हिन्दी रचनाकार जनाब अनवार अब्बास नक़वी की अध्यक्षता में आयोजित की गयी जिसका संचालन संगीता सुमन ने किया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में

अनवार अब्बास साहिब ने कहा कि साहित्यकार और रचनाकार समाज और जनसाधारण की वाणी होते हैं,वह अपनी रचनाओं के माध्यम से बोलते हैं। दोहा सम्राट डाक्टर प्रदीप चित्रांशी जी ने कहा कि साहित्यकार और कवि प्रकृति के प्रति संवेदनशील होते हैं,जल,जंगल, जीवन और जन के विषय पर बोलना उनकी कला का अभिन्न भाग है। गोष्ठी में उपरोक्त समस्त महानुभावों के अतिरिक्त जाफ़र अस्करी ने भी अपनी रचनायें प्रस्तुत की। अंत में सामाजिक विचारक एवं चिंतक श्री सय्यद सुलेमान अहमद ने अतिथिगण और श्रोता का आभार व्यक्त करते हुए गोष्ठी का समापन किया।

प्रदेश के छह लाख छूटे बच्चों को 28 नवंबर को मिलेगी छात्रवृत्ति, बजट के अभाव में रह गए थे वंचित

लखनऊ, संवाददाता। समाज कल्याण विभाग ने वर्ष 2024–25 के लिए दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की समय–सारिणी जारी कर दी है। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य तथा अल्पसंख्यक वर्ग के ऐसे छात्र जिन्हें पिछले वर्ष छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई थी, उन्हें आवेदन का अंतिम अवसर दिया गया है। इससे करीब 6 लाख छात्र लाभांवित होंगे। ये छात्र संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अधिकारियों की लापरवाही के चलते मास्टर डॉटा लॉक न होने, डाटा अग्रसारित न किए जाने और बजट के अभाव आदि कारणों से योजना के लाभ से वंचित रह गए। मामले को अमर उजाला ने लगातार प्रमुखता से उठाया था। अब जारी समय सारिणी के अनुसार, शैक्षणिक संस्थानों की ओर मास्टर डाटा लॉक करने की प्रक्रिया 10 से 14 अक्तूबर तक पूरी की जाएगी। इसके बाद विश्वविद्यालय या एफिलेटिंग एजेंसी की ओर से मास्टर डाटा का सत्यापन किया जाएगा। 26 अक्तूबर तक जिला समाज कल्याण अधिकारी सीटों और शुल्क का सत्यापन करते हुए इसे लॉक करेंगे।

27 से 31 अक्तूबर तक होंगे ऑनलाइन आवेदन

छात्रों के ऑनलाइन आवेदन और रजिस्ट्रेशन की अवधि 27 से 31 अक्तूबर तक निर्धारित की गई है। छात्रों को आवेदन पत्र का प्रिंट निकालकर संस्थान में 1 नवंबर 2025 तक जमा करना होगा। संस्थान द्वारा ऑनलाइन सत्यापन 2 नवंबर तक और विश्वविद्यालयों या एफिलेटिंग एजेंसी द्वारा डाटा सत्यापन 3 से 6 नवंबर तक किया जाएगा।

8 से 11 नवंबर तक मिलेगा त्रुटि सुधार का अवसर

छात्रों को आवेदन में त्रुटि सुधार के लिए 8 से 11 नवंबर तक अवसर दिया जाएगा। संशोधित आवेदन को 12 नवंबर तक संस्थान द्वारा अग्रसारित किया जाएगा। 25 नवंबर तक जिला स्तर पर डाटा सत्यापन और विभागीय अधिकारियों द्वारा डिजिटल सिग्नेचर लॉकिंग की जाएगी।

सम्पादकीय........

जनता को किया वोटिंग से किनारा, विपक्ष ने नकारा

एक ऐसा चुनाव जिसमें शायद किसी बदलाव की उम्मीद नहीं। सीरिया में संसदीय चुनाव हुए। देश के लंबे समय से निरंकुश नेता बशर अल–असद के विद्रोही आंदोलन के बाद सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद ये पहला चुनाव है। असद वंश के 50 साल के शासन के दौरान, सीरिया में नियमित चुनाव होते थे जिनमें सभी नागरिक मतदान कर सकते थे। हालाँकि, असद के नेतृत्व वाली बाथ पार्टी का संसद पर दबदबा था और मतदान को व्यापक रूप से दिखावटी चुनाव माना जाता था। सीरिया के लोग चुनाव के बाद भी पूर्ण लोकतंत्र से चूक जाएँगे। सीरिया में हुए इस पहले चुनाव पर विवाद भी हो रहा है। वह इसलिए, क्योंकि यह लोकतांत्रिक तरीके से नहीं हो रहे हैं। इसमें जनता ने वोट नहीं डाला है। आलोचकों का कहना है कि इससे सत्ता के सीरिया के नए शासकों के हाथों में ही केंद्रित रहने की संभावना है। पीपुल्स असेंबली की अधिकांश सीटें जिलों के निर्वाचक मंडलों द्वारा चुनी जाएँगी, जबकि एक–तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल–शरा नियुक्त होंगे। नई संसद भविष्य के चुनावों की तैयारी करते हुए 30 महीने का कार्यकाल पूरा करेगी। सीरिया की नई संसद में 210 सदस्य हैं। इनमें से 140 सीटों पर 7,000 इलेक्टोरल कॉलेज सदस्य मतदान कर रहे हैं। ये सदस्य सरकार द्वारा नियुक्त किए गए हैं। शेष 70 सदस्य अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल–शरा सीधे नियुक्त करेंगे। राष्ट्रपति शरा द्वारा नियुक्त 70 सीटों के जरिए महिलाओं, अल्पसंख्यकों और सहयोगी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की बात कही गई है, पर आलोचकों के मुताबिक यही सीटें सरकार की स्थायी बहुमत सुनिश्चित करेंगी। मतदान 5 अक्टूबर को हुआ। अंतिम परिणाम 7 अक्टूबर को अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल–शरा संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में जारी करेंगे। 70 सीटें शरा की नियुक्ति से भरी जाने के कारण संसद में शरा समर्थकों की निर्णायक जीत तय मानी जा रही है। उम्मीद थी कि जब चुनाव होंगे तो जनता भी वोट डालेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अंतरिम सरकार का कहना है कि लगभग 14 साल के गृहयुद्ध और व्यक्तिगत दस्तावेज़ों के नुकसान के कारण लाखों सीरियाई लोगों के विस्थापन के कारण, इस समय एक सटीक मतदाता सूची बनाना और लोकप्रिय वोट का आयोजन करना असंभव है। इसलिए अभी आम लोगों को वोटिंग का अधिकार नहीं मिला है। सीधे जनमत कराने की बजाय यह सीमित प्रक्रिया अपनाई गई है। आलोचकों ने लोकप्रिय वोट के अभाव को अलोकतांत्रिक बताया है, हालाँकि कुछ विश्लेषक सरकार के तर्क को सही मानते हैं। अरब रिफॉर्म इनिशिएटिव और चौथम हाउस के वरिष्ठ शोध अध्येता ने इस बात पर ज़ोर दिया कि निर्वाचकों के चुनाव के तरीके में स्पष्टता का अभाव है। उन्होंने कहा खासकर जब उपसमितियों और निर्वाचक मंडलों के चुनाव की बात आती है, तो कोई निगरानी नहीं होती, और यह प्रक्रिया संभावित रूप से हेरफेर की चपेट में है। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव अधिकारियों ने बिना किसी स्पष्टीकरण के प्रकाशित सूचियों से नाम हटा दिए, जिससे आलोचनाएँ बढ़ गईं। संसद में महिलाओं या धार्मिक एवं जातीय अल्पसंख्यकों के लिए कोई निश्चित कोटा नहीं है। निर्वाचक मंडल के सदस्यों में महिलाओं की संख्या 20: होनी चाहिए, लेकिन इससे उम्मीदवारों या निर्वाचित सदस्यों के बीच समान प्रतिशत की गारंटी नहीं मिलती। सरकारी समाचार एजेंसी ˆ।छ। के अनुसार, राष्ट्रीय चुनाव समिति के प्रमुख मोहम्मद ताहा अल–अहमद के हवाले से, अंतिम सूची में शामिल 1,578 उम्मीदवारों में से 14: महिलाएँ हैं। कुछ ज़िलों में, 30–40: महिलाएँ उम्मीदवार हैं, जबकि अन्य में एक भी नहीं है। स्वीडा और कुर्द–नियंत्रित क्षेत्रों को बाहर रखे जाने से अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा में अलावी और ड्रूज़ समुदायों के सैकड़ों नागरिक मारे गए हैं, जिनमें से कई की मौत सरकार से जुड़े लड़ाकों के हाथों हुई है। हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस)रू उत्तर–पश्चिमी सीरिया में सक्रिय यह संगठन चुनावों को दमिश्क की सत्ता का नाटक बता रहा है। उसका कहना है कि अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल–शरा की सरकार देश के वास्तविक प्रतिनिधित्व से कोसों दूर है, क्योंकि उसने जनता को वोट का अधिकार ही नहीं दिया। वहीं असद समर्थक गुट बशर अल–असद की पार्टी ने इसे कठपुतली चुनाव कहा है। उनका आरोप है कि शरा सिर्फ पश्चिमी देशों की मदद से सत्ता में आया और अब वैधता साबित करने के लिए दिखावटी प्रक्रिया चला रहा है।

धर्मनिरपेक्षता सिद्धांत नहीं बल्कि नैतिक आस्था,लोकतंत्र का आधार स्तंम्भ

संजीव ठाकुर

भारत की आजादी के बाद से धर्मनिरपेक्षता ने लोकतंत्र को शक्ति दी है। यहां राज्य का अपना कोई धर्म नहीं हैय सब नागरिक कानून और व्यवस्था की दृष्टि से समान हैं। हर व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार धर्म अपनाने और उसका पालन करने की स्वतंत्रता है।

धर्मनिरपेक्षता भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील आधारशिला है। यह केवल संविधान की पंक्तियों में लिखा गया शब्द भर नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जीवन का प्राणतत्व है। भारतीय राजनीति की आत्मा इसी से पोषित होती है। परंतु दुखद है कि आज धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कई बार केवल संवैधानिक औपचारिकताओं तक सीमित रह जाती है। मणिपुर और उत्तर प्रदेश जैसे प्रदेशों में साम्प्रदायिक झगड़ों की घटनाओं ने इस सिद्धांत की आत्मा को गहरी चोट पहुँचाई है और इसके संवैधानिक अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ किसी धर्म से विद्वेष रखना नहीं है, बल्कि सभी धर्मों का समान सम्मान करना है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में इसे "सर्वधर्म समभाव" कहा गया है। पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य है दृ राज्य और धर्म का परस्पर हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्ति और उसके अधिकारों को सर्वोच्च मान्यता देना। वहीं भारतीय संदर्भ में यह और अधिक व्यापक हैकृयह न केवल धर्म और राजनीति के पृथक्करण पर बल देता है, बल्कि समाज में विविध धार्मिक मतों के बीच सहिष्णुता, आदर और समान अवसर की स्थापना का भी उपक्रम करता है।भारत की आजादी के बाद से धर्मनिरपेक्षता ने लोकतंत्र को शक्ति दी है। यहां राज्य का अपना कोई धर्म नहीं हैय सब नागरिक कानून और व्यवस्था की दृष्टि से समान हैं। हर व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार धर्म अपनाने और उसका पालन करने की स्वतंत्रता है। संविधान का 42वां संशोधन (1976) इस भावना को और स्पष्ट करता है, जिसमें "पंथनिरपेक्ष" शब्द को प्रस्तावना में जोड़ा गयाकृअर्थात राज्य किसी विशेष मत को न अपनाएगा और न ही किसी धर्म के प्रति भेदभाव करेगा।महात्मा गांधी, मौलाना आजाद, नेहरू, पटेल और शास्त्री जैसे राष्ट्रपुरुषों ने धर्मनिरपेक्षता को केवल राजनीतिक सिद्धांत नहीं, बल्कि नैतिक आस्था माना। स्वतंत्रता संग्राम से पहले हुए सामाजिक–धार्मिक सुधार आंदोलनों ने भी इस मार्ग को प्रशस्त किया। यही कारण है कि भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति विविधता में एकता रही हैकृऔर इस एकता का मूल मंत्र धर्मनिरपेक्षता ही है।आज भारत विकास की सीढ़ियाँ चढ़कर एक वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। ऐसे समय में हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि हम धर्मनिरपेक्षता की इस स्वस्थ परंपरा को अक्षुण्ण बनाए रखें। लोकतांत्रिक दलों, मीडिया, न्यायपालिका, कार्यपालिका और आम नागरिककृसभी को यह संकल्प लेना होगा कि वे इसे केवल नारों और चुनावी मुद्दों तक सीमित न रखें। क्योंकि जब–जब राजनीति ने धर्मनिरपेक्षता को अपने स्वार्थ के लिए हथियार बनाया, समाज का संतुलन बिगड़ा और आम जनता को उसका खामियाजा भुगतना पड़ा।भारतीय धर्मनिरपेक्षता हमें तर्क, विवेक और स्वतंत्रता की संस्कृति देती है। यह न केवल वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करती है, बल्कि हर नागरिक को आत्मसम्मान और समान अवसर का आश्वासन भी देती है। इस दृष्टि से धर्मनिरपेक्षता भारतीय लोकतंत्र की आत्मा हैकृजो विविधता को एकता में रूपांतरित कर, भारत को विश्व के लिए आदर्श प्रतिमान बना सकती है। आज आवश्यकता है कि इस शाश्वत सिद्धांत को केवल संविधान की पंक्तियों तक सीमित न रखकर, जीवन की प्रत्येक धारा में उतारा जाए। तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और भारत का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप विश्व मंच पर प्रकाश स्तंभ की भांति जगमगाएगा।

डा. अंबेडकर और साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद एवं पूंजीवाद से मुक्ति संघर्ष

सिद्धार्थ रामू

डॉ. आंबेडकर का स्वतंत्रता संग्राम बहुत व्यापक और गहरा था, वह साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद तीनों के खिलाफ था– कुछ धाराएं सिर्फ साम्राज्यवाद को दुश्मन मान रही थीं, कुछ पूंजीवाद को दुश्मन मार रहे थे, कुछ सामंतवाद को दुश्मन कह रहे, लेकिन इनमें से कोई भारत की बहुसंख्यक आबादी पिछड़ों–दलितों के मुख्य दुश्मन ब्राह्मणवाद का नाम नहीं ले रहा था। एक अकेले डॉ. आंबेडकर थे, जो साम्राज्यवाद, पूंजीवाद और ब्राह्मण तीनों के खात्मे को सभी भारतीयों की स्वतंत्रता की अनिवार्य शर्त मान रहे थे–संदर्भ सावरकर और स्वतंत्रता आंदोलन पर चल रही वर्तमान बहस इतिहासकार गेल ओमवेट ने लिखा है कि "आंबेडकर का बुनियादी संघर्ष एक अलग स्वतंत्रता का संघर्ष था। यह संघर्ष भारत के सर्वाधिक संतप्त वर्ग की मुक्ति का संघर्ष था। उनका स्वाधीनता संग्राम उपनिवेशवाद के विरुद्ध चलाए जा रहे स्वाधीनता संग्राम से वृहद और गहरा था। उनकी नजर नवराष्ट्र के निर्माण पर थी।" (स्रोत– आंबेडकर प्रबुद्ध भारत की ओर, पृ.149, गेल ओमवेट) क्यों गेल ओमवेट आंबेडकर के स्वतंत्रता संघर्ष को उपनिवेशवाद के विरूद्ध चलाए जा रहे स्वतंत्रता संघर्ष से वृहद और गहरा कह रही हैं। क्योंकि गांधी के नेतृत्व में चल रहे उपनिवेशवाद (ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता) संघर्ष के निशाने पर एकमात्र ब्रिटिश सत्ता थी। जिसका मुख्य लक्ष्य अंग्रेजों से राजनीतिक सत्ता हासिल करना था। जबकि आंबेडकर के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता संघर्ष के निशाने पर भारत के देशी शोषक–उत्पीड़क थे। जिसे उन्होंने ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद के रूप में चिन्हित किया। ऐसा नहीं कि आंबेडकर उपनिवेशवाद को भारतीय जनता के शोषक–उत्पीड़क के रूप में नहीं देखते थे और उससे मुक्ति की जरूरत नहीं समझते थे। उन्होंने साफ शब्दों में लिखा है कि "मेरे मतानुसार ब्रिटिश सत्ता तथा ब्राह्मणी सत्ता हिंदू जनता के शरीर पर लगी दो जोंक हैं, तथा ये बिना रूके भारतीय जनता का खून पी रही हैं।"(बहिष्कृत भारत की संपादकीय, सम्यक प्रकाशन पृ.33)। लेकिन वे ब्राह्मणवाद को साम्राज्यवाद (उपनिवेशवाद) से कम बुरा नहीं मानते थे, बल्कि उससे हजार गुना ज्यादा बुरा मानते थे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि, 'ब्राह्मणवाद साम्राज्यवाद से हजार गुना बुरा है।' (बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर, संपूर्ण वांग्मय, खंड–39, पृ.32) उन्होंने भारत के मेहनतकशों (श्रमिकों) के दो दुश्मन चिन्हित किए–ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद। डॉ. आंबेडकर ने जीआईपी दलित वर्ग कामगार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि "मेरी मान्यतानुसार इस देश में कामगारों को दो शत्रुओं का मुकाबला करना होगा। वे दो शत्रु हैं– 'ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद'। ((ठंईमइ क्त. ।उइमकांत ˘तपजपदहे ˙दक ˆचममबीमे, टवसनउम दनउइमत 17, च्तज 3, चंहम दव.177 (बिंचजमत दनउइमत 44). म्दहसपी मकपजपवद.) साफ है वे भारत के मेहनतकशों की स्वतंत्रता ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद से मुक्ति में देखते थे। आंबेडकर ब्रिटिश सत्ता रूपी जोंक और ब्राह्मणी सत्ता रूपी जोंक दोनों से मुक्ति चाहते थे। वे दोनों के खिलाफ एक साथ संघर्ष चलाने के हिमायती थे। उन्होंने कांग्रेस के सामने यह प्रस्ताव भी रखा था कि यदि वह ब्राह्मणवाद विरोधी उनके संघर्ष को अपने एजेंडे में शामिल कर ले, तो वे कांग्रेस के साथ मिलकर स्वतंत्रता के संघर्ष में हिस्सेदारी करेंगे। कांग्रेस ने उनके इस प्रस्ताव को न स्वीकार किया और न ही कोई जवाब दिया। आंबेडकर भारतीयों की बहुसंख्यक आबादी की स्वतंत्रता की तीन अनिवार्य शर्तें मानते थे। एक ब्रिटिश साम्राज्यवाद से मुक्ति, दूसरी ब्राह्मणवाद से मुक्ति और तीसरी पूंजीवाद से मुक्ति। वे पूरे देश के लिए स्वतंत्रता के लिए साम्राज्यवाद से मुक्ति अनिवार्य मानते थे। लेकिन साम्राज्यवाद के मुक्ति से ब्राह्मणवाद के चंगुल में पिस रहे लोगों को अनिवार्य और अपरिहार्य तौर पर मुक्ति मिल जाएगी, ऐसा नहीं सोचते थे। इससे उलट उन्हें इस बात की न सिर्फ आशंका थी, बल्कि विश्वास था कि साम्राज्यवाद से मुक्ति के बाद राजनीतिक सत्ता भी उन लोगों के हाथ में चली जाएगी, जो ब्राह्मणवादी शक्तियां हैं। जिनके पास पहले से ही सामाजिक सत्ता है। इसको वे बहुसंख्यक भारतीय समाज विशेषकर दलितों और महिलाओं के लिए आपदा की तरह देखते थे, क्योंकि ऐतिहासिक तौर पर दलित और महिलाएं ब्राह्मणवादी शक्तियों की दासता और शोषण–उत्पीड़न का सबसे अधिक शिकार रही हैं। आंबेडकर का साफ मानना था कि ब्राह्मणवाद से मुक्ति के बिना दलित और महिलाएं स्वतंत्रता की कल्पना भी नहीं कर सकती हैं। उनकी स्वतंत्रता का मुद्दा ब्राह्मणवाद से मुक्ति से जुड़ा हुआ है। साम्राज्यवाद से मुक्ति और ब्राह्मणवाद से मुक्ति से मेहनतकशों को भी मुक्ति मिल जाएगी, उन्हें भी स्वतंत्रता मिल जाएगी, आंबेडकर ऐसा नहीं सोचते थे। उनकी साफ समझ थी कि भारत के मेहनतकशों (कामगारों) को ब्राह्मणवाद से मुक्ति के साथ ही पूंजीवाद से भी मुक्ति हासिल करनी होगी, तभी उन्हें वास्तविक स्वतंत्रता मिल पाएगी। आंबेडकर के पूरे लेखन और संघर्ष को देखकर साफ लगता है कि वह साम्राज्यवाद और ब्राह्मणवाद से मुक्ति के सवाल को एक जनवादी कार्यभार के रूप में देखते थे, भले ही इस रूप में उन्होंने इसे सूत्रबद्ध न किया हो। इन दोनों कार्यभारों को काफी हद तक पूंजीवादी दायरे में भी पूरा किया जा सकता है। लेकिन कामगारों को मुक्ति और स्वतंत्रता पूरी तरह तभी मिल सकती है, जब उन्हें ब्राह्मणवाद के साथ पूंजीवाद से भी मुक्ति मिले। तय है पूंजीवाद से मुक्ति और स्वतंत्रता समाजवाद की ओर ले जाती है। शायद यही वजह है कि आंबेडकर बार–बार समाजवाद की बातें करते दिखते हैं। हालांकि वे समाजवाद की परिकल्पना एक लोकतांत्रिक समाजवाद की रूप में करते हैं। उसे राजकीय समाजवाद कहते हैं। संविधान सभा में नेहरू द्वारा प्रस्तुत संविधान की उद्देशिका पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि उद्देशिका में जिस आर्थिक न्याय और सामाजिक न्याय आदि की बातें की गई हैं, आखिर उन्हें हासिल कैसे किया जाएगा। इसका जवाब देते हुए उन्होंने स्वयं ही कहा कि यह सब समाजवाद के बिना हासिल नहीं किया जा सकता है। यहां तक वे संविधान का अंतिम ड्राफ्ट प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि राजनीतिक समता को सामाजिक और आर्थिक समता कायम किए बिना ज्यादा दिनों तक कायम नहीं रखा जा सकता है। संविधान सभा में शामिल होने से पहले वे खुद जो संविधान ('स्टेटस एडं मॉइनारिटीज') तैयार करते हैं, उसमें भारत में राजकीय समाजवाद कायम करने का प्रावधान करते हैं। स्पष्ट है कि आंबेडकर आजादी से पहले भारत की जनता के तीन दुश्मन देखाते हैं– साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद। वे अपने लेखन में बार–बार रेखांकित करते हैं कि ब्राह्मणवादी शक्तियां सिर्फ और सिर्फ साम्राज्यवाद के मुक्ति चाहती हैं। लेकिन वे अपने ब्राह्मणवादी वर्चस्व को छोड़ने के लिए तैयार नहीं, ब्राह्मणवाद विरोधी संघर्ष में उनकी कोई रुचि नहीं है, बल्कि वे उसके खिलाफ हैं। आंबेडकर यहीं नहीं रुकते वे इससे भी आगे बढ़ते हैं, वे मेहनतकशों के लिए भी स्वतंत्रता हासिल करना चाहते हैं, इसके लिए पूंजीवाद से मुक्ति भी अनिवार्य मानते हैं। आंबेडकर स्वतंत्रता के अपने संघर्ष के दायरे में सबको शामिल करते हैं। वे सिर्फ साम्राज्यवाद की गुलामी के शिकार लोगों के लिए स्वतंत्रता नहीं चाहते हैं। वे ब्राह्मणवाद की गुलामी के शिकार लोगों के लिए स्वतंत्रता चाहते हैं, इतना ही नहीं वे पूंजीवाद की गुलामी में पिस रहे लोगों के लिए भी स्वतंत्रता चाहते हैं। उनके स्वतंत्रता संग्राम का दायरा गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता संग्राम से बहुत ज्यादा वृहद और गहरा था, जो साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद के खात्मे तक जाता है।

टेरिफवार पर भारी भारत की कूटनीति

प्रेम शर्मा

अमेरिका और भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही टैरिफ वॉर के बीच भारत ने जो कूटनीति की रणनीति अपनाई उसका असर दिखने लगा है।दूसरी बार सत्ता में लौटने के बाद ट्रंप का रुख पहले से कहीं ज्यादा आक्रामक रहा है। टैरिफ उनका सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा रहा है। कई बार उन्होंने विरोधियों के खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया, जो शायद ही किसी और वैश्विक नेता से सुनी जाती हो। भारत भी उनकी इस आक्रामकता से अछूता नहीं रहा। कभी पाकिस्तान के साथ खड़े नजर आए, तो कभी भारत के खिलाफ सख्त बयान दिए। लेकिन दिलचस्प यह रहा कि भारत ने ज्यादातर मौकों पर संयमित चुप्पी साधी. जब जरूरत हुई, तभी संतुलित जवाब दिया। शायद इसकी वजह है कि ट्रंप सुबह कुछ कहते और शाम को कुछ और, ऐसे में भारत ने हर बार प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं समझी। इसी कूटनीति और संयम के चलते अमरीकी राष्टपति की धमकी को दरकिनार करते हुए भारत ने रूस से तेल खरीदने का फैसला जारी रखा। इसका परिणाम यह रहा कि रूस के राष्टपति ने भारत के प्रधानमंत्री की अडिगता की कई जगह सार्वजनिक तारीफ की है। गत दिवस रूस के सोची शहर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर हाई टैरिफ वैश्विक कीमतों में वृद्धि करेंगे और अमेरिकी फेडरल रिजर्व को ब्याज दरें ऊंची रखने के लिए मजबूर करेंगे, जिससे अमेरिकी आर्थिक विकास धीमा हो जाएगा। एक अन्य बयान में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि भारत के खिलाफ अमेरिकी टैरिफ विफल होंगे। यूरोप के उलट, भारत और चीन ऐसे देश हैं जो खुद का सम्मान करते हैं। भारत खुद को कभी अपमानित नहीं होने देगा।ष्पुतिन ने आगे इस बात पर जोर दिया कि रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद सकारात्मक आर्थिक विकास को बनाए रखने का लक्ष्य रखता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना मित्र बताते हुए कहा कि वह उनके साथ भरोसेमंद संबंधों को लेकर सहज महसूस करते

हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए रूस भारत से अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीद सकता है। पुतिन ने कहा, भारत से अधिक कृषि उत्पाद खरीदे जा सकते हैं। औषधीय उत्पादों और फार्मास्यूटिकल्स के लिए हमारी ओर से कुछ कदम उठाए जा सकते हैं।यही नही दिसम्बर में उनके भारत आने तथा भारत हित में कई बड़े फैसले लेने से अमरीकी राष्टपति को मिर्ची लगनी तय है। अमेरिका ने जब अपनी शुल्क नीति की घोषणा की, तो उसका मकसद जितना अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करना था, उससे ज्यादा इसे प्रभावित होने वाले देशों पर दबाव बनाने के तौर पर देखा गया। सवाल है कि क्या अमेरिका की ओर से पहले पच्चीस और फिर पचास फीसद तकशुल्क लगाने की घोषणा का कारण यह था कि व्यापार वार्ता में भारत को अपनी शर्तों पर सहमत किया जाए ? यह बेवजह नहीं है कि भारत ने अमेरिका के इस रवैये के सामने समर्पण करने के बजाय सख्त विकल्प चुना और अब इसके नतीजे सामने आने लगे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी सरकार को निर्देश दिया कि वह कच्चे तेल के भारी आयात की वजह से भारत के साथ व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए तत्काल उपाय करे। अमल के स्तर पर यह फैसला भारत से अधिक कृषि उत्पाद और दवाओं की खरीद के स्तर पर सामने आ सकता है। अमेरिका ने न केवल शुल्क नीति की घोषणा की, बल्कि भारत पर दबाव बढ़ाने की मंशा से रूस से तेल आयात करने पर जुर्माना लगाने की भी बात कहीं। इसका आशय साफ था कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे। यह भारत के लिए एक धमकी से कम नही था। आज बहुध्रुवीय होते विश्व में इस तरह भारत जैसे एक संप्रभु और वैश्विक साख वाले देश को अपनी शर्तों पर संचालित कर पाना संभव नहीं हो सकता। यह विचित्र है कि अमेरिका ने इस मसले पर सहयोग और साझेदारी को केंद्र में रख कर नए विकल्प निकालने, द्विपक्षीय हित और सम्मान आधारित आर्थिक संबंध पर विचार करने का रास्ता अख्तियार न करके, दबाव की रणनीति का सहारा लिया।याद करे कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध के संदर्भ में अमेरिका और नाटो देशों की ओर से रूस को अलग–थलग करने के लिए जो रणनीति अपनाई जा रही थी, भारत ने प्रकारांतर से उसमें शामिल होने या किसी के सामने झुकने से इनकार कर दिया और रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखा। तेजी से बदलती भू–राजनीतिक परिस्थितियों में अमेरिका के हर फैसले को मानने के बजाय भारत के लिए अपने हित को प्राथमिकता देना ज्यादा जरूरी है।जाहिर है, भारत की यह दृढ़ता रूस की नजर में महत्त्वपूर्ण होगी और इसीलिए उसने व्यापार संतुलन कायम करने की पृष्ठभूमि में द्विपक्षीय संबंधों को नए सिरे से आकार देने की ओर कदम बढ़ाया है। भारत और रूस के बीच मित्रतापूर्ण संबंधों का एक लंबा दौर रहा है। विकट स्थितियों में भी दोनों देशों के बीच कभी कोई समस्या या तनावपूर्ण स्थिति नहीं आई, जिसमें किसी पक्ष के भीतर संबंधों को लेकर कोई दुविधा हुई हो। बल्कि कूटनीतिक से लेकर सांस्कृतिक या आर्थिक मोर्चे पर दोनों देशों ने एक–दूसरे की प्राथमिकताओं, जरूरत पर आधारित नीतिगत फैसलों की संवेदनशीलता का हमेशा ध्यान रखा और अपनी सीमा के भीतर हर स्तर पर सहयोग किया।अमेरिका की ओर से दबाव बनाए जाने के बावजूद रूस से कच्चे तेल के आयात को लेकर भारत द्वारा बंद न किया जाना अमरीका को सीधा जबाव था। रूस ने भारत के इस फैसले की अहमियत को समझा है और व्यापार संतुलन के लिए पुतिन के निर्देश को इसका संकेत माना जा सकता है कि आने वाले दिनों में दोनों देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए अध्याय शुरू होंगे। कुल मिलाकर लबोलुआब यह कि भारत किसी भी दशा में बेवजह किसी देश के सामने झूकने वाला नही बल्कि वह अब डटकर मुकाबला करने वाला है।

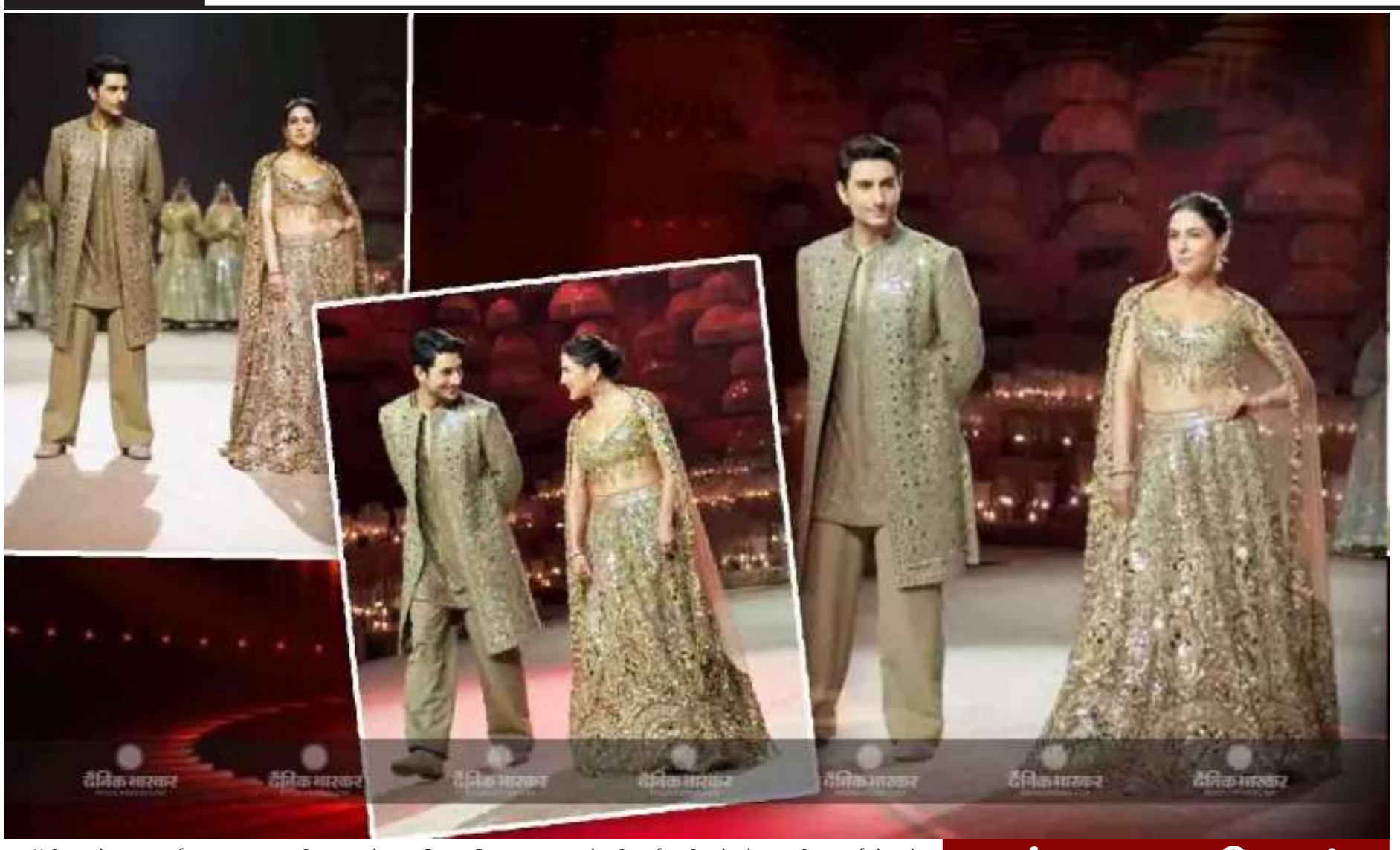

भाईजान इब्राहिम संग पहली बार रैंप पर उतरीं सारा अली खान, भाई-बहन की केमिस्ट्री ने जीता सबका दिल

बॉलीवुड के स्टार भाई–बहन सारा अली खान और इब्राहिम अली खान की बॉन्डिंग किसी से छिपी नहीं है। दोनों अक्सर साथ में वक्त बिताते हैं और अपनी प्यारी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। हाल ही में दोनों ने पहली बार साथ में रैंप वॉक कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। सारा और इब्राहिम ने मशहूर डिजाइनर अभिनव मिश्रा के नए कलेक्शन के लिए रैंप वॉक किया। डिजाइनर ने इस मौके पर अपनी नई शाही ड्रेस लाइन लॉन्च की, जिसमें भाई–बहन की जोड़ी ने ग्लैमर और मस्ती दोनों का तड़का लगाया। रैंप शो के दौरान इब्राहिम अली खान ने कतान सिल्क से बनी एक शानदार शेरवानी पहने नजर आए। इस पोशाक पर शीशे का बारीक काम और सुनहरी जरी–रेशम की खूबसूरत कढ़ाई की गई थी। उनकी ड्रेस में एक शाही अंदाज झलक रहा था, जिससे वह किसी राजकुमार से कम नहीं लग रहे थे। वहीं सारा अली खान ने रैंप पर एक रॉयल एथनिक ड्रेस पहनी, जिस पर हाथ से की गई जरी और रेशम की कढ़ाई ने इसे बेहद खास बना दिया। ड्रेस में लगे झिलमिलाते क्रिस्टल और शीशे के वर्क ने उनके लुक को और भी निखार दिया। उनकी मुस्कान और आत्मविश्वास ने शो में चार चांद लगा दिए। दिल्ली के छतरपुर स्थित संस्कृति ग्रीन्स में शनिवार, 4 अक्टूबर को हुए इस फैशन शो में पहली बार सारा और इब्राहिम ने साथ में रैंप वॉक किया, जहां दोनों की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया। वहां मौजूद लोगों ने भाई–बहन की जोड़ी की तारीफ करते हुए जमकर तालियां बजाईं। सारा अली खान को हाल ही में फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ आदित्य रॉय कपूर, फातिमा सना शेख, अली फजल और अनुपम खेर जैसे सितारे नजर आए थे। अब सारा जल्द ही अपनी अगली फिल्म 'पति, पत्नी और वो दो' में दिखाई देंगी। वहीं इब्राहिम अली खान ने हाल ही में अपनी डेब्यू फिल्म 'सरजमीं' से बॉलीवुड में कदम रखा है। इस फिल्म में उनके साथ काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आए थे। अब इसके बाद इब्राहिम अपनी अगली फिल्म 'दिलेर' की तैयारी में जुटे हुए हैं।

दूसरी बार पिता बने अरबाज खान, बीवी शूरा ने दिया बेटी को जन्म

बॉलीवुड के फेमस खानदान सलमान खान की फैमिली से एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। बॉलीवुड एक्टर और फिल्ममेकर अरबाज खान दूसरी बार पिता बन गए हैं। उनकी दूसरी पत्नी शूरा खान ने एक प्यारी सी बच्ची को जन्म दिया है। अरबाज खान ने अपनी दूसरी शादी शूरा खान से दिसंबर 2023 में की थी। यह शादी एक निजी समारोह में हुई थी और इसमें खान परिवार के कुछ करीबी दोस्त और सदस्य शामिल हुए थे। अरबाज खान की पहली पत्नी मलाइका अरोड़ा थीं, जिनसे उनका 2017 में तलाक हो गया था। शूरा खान एक प्रसिद्ध मेकअप आर्टिस्ट हैं। उनकी मुलाकात अरबाज खान से फिल्म पटना शुक्ला के सेट पर हुई थी, जहाँ अरबाज निर्माता थे और शूरा मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर काम करती थीं।

51 की उम्र में भी मलाइका अरोड़ा का फिगर देख दंग रह जाएंगे, शेयर किए फिटनेस के 6 योग राज!

बॉलीवुड की फिटनेस आइकन मलाइका अरोड़ा ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि उम्र फिटनेस के सामने मायने नहीं रखती। 51 साल की उम्र में भी उनकी टोंड बॉडी, एनर्जी और लचीलापन युवा अभिनेत्रियों को भी मात देता है। मलाइका ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर छह योग पोज शेयर करते हुए अपने फैंस को हेल्दी लाइफस्टाइल और फिटनेस का मंत्र बताया। मलाइका अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर 6 योग आसनों वीडियो की एक सीरीज शेयर की है। उन्होंने लिखा,"6 जेंटल योगा पोज, जिसे करने पर आपका शरीर आपको धन्यवाद देगा।"ये योगासन न केवल शारीरिक लचीलापन बढ़ाते हैं, बल्कि मानसिक शांति और हेल्दी जीवन के लिए भी फायदेमंद हैं। मलाइका न केवल योग को प्राथमिकता देती हैं, बल्कि हेल्दी डाइट और प्रॉपर स्लीप को भी फिटनेस का अहम हिस्सा मानती हैं। वह अक्सर अपनी डेली रूटीन और हेल्थ टिप्स सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं, जिससे उनके लाखों फैंस प्रेरित होते हैं।"फिटनेस सिर्फ लुक्स के लिए नहीं, बल्कि आत्मा की मजबूती के लिए जरूरी है।" 51 की उम्र में भी मलाइका अरोड़ा न केवल युवा पीढ़ी, बल्कि सभी महिलाओं के लिए एक रोल मॉडल बन चुकी हैं। उनका मानना है कि खुद से प्यार करना और अपने शरीर को समझना, स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कुंजी है। प्रोफेशनल फ्रंट पर, मलाइका जल्द ही सोनी टीवी के रियलिटी शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट' में बतौर जज नजर आएंगी। इस शो में उनके साथ नवजोत सिंह सिद्धू और सिंगर शान भी दिखाई देंगे। शो का प्रसारण रात 9.30 बजे किया जाएगा। इसके अलावा वह एक नए मॉडलिंग रियलिटी शो 'पिच टू गेट रिच' में करण जौहर के साथ जज की भूमिका में नजर आएंगी, जो 20 अक्टूबर से जियो सिनेमा और हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा।

ट्रिप से ठीक पहले अर्चना पूरन सिंह की होने वाली बहू के साथ बड़ा हादसा, बेटे आर्यमान ने दलेरी से यूं बचाई अपनी मंगेतर की जान

मशहूर एक्ट्रेस और कॉमेडियन अर्चना पूरन सिंह इन दिनों अपने परिवार के साथ एक रोमांचक ट्रिप पर निकली हैं। इस ट्रिप में उनके बेटे आर्यमान, छोटा बेटा आयुष्मान और आर्यमान की मंगेतर योगिता बिहानी भी शामिल थीं, लेकिन सफर शुरू होने से ठीक पहले एक बड़ा हादसा होते–होते टल गया। यात्रा शुरू होने से पहले योगिता बिहानी बादाम खा रही थीं। इसी दौरान एक बादाम का टुकड़ा उनके गले में फंस गया, जिससे उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी। देखते ही देखते योगिता चोक हो गईं और उनका दम घुटने लगा। जैसे ही योगिता को सांस लेने में तकलीफ हुई, आर्यमान और उनके भाई आयुष्मान तुरंत उनके पास दौड़े। आर्यमान ने घबराए बिना योगिता की मदद करने की कोशिश की और उन पर हाइमलिक प्रक्रिया अपनाई। यह एक ऐसी तकनीक होती है जिसमें किसी के गले में कुछ फंस जाने पर उसके पेट के ऊपर दबाव बनाकर फंसा हुआ टुकड़ा बाहर निकालने की कोशिश की जाती है। काफी कोशिशों के बाद आखिरकार योगिता के गले में फंसा बादाम का टुकड़ा बाहर निकल गया। हालांकि उस दौरान वह लगातार खांसती रहीं और पूरी घटना ने सबको हिला दिया। घटना के कुछ मिनट बाद जब सब संभल गए और परिवार कार में बैठकर लोनावला की ओर रवाना हुआ, तो आर्यमान ने अपनी मंगेतर से कहा,"योगिता, तुमने मुझे बहुत डरा दिया। ये बहुत ज्यादा था। इस हादसे के बाद अर्चना पूरन सिंह ने परिवार के लिए एक नया नियम बना दिया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा– "अब से योगिता के लिए एक नया रूल है। जब भी वो कुछ खाएंगी, परिवार का कोई न कोई सदस्य उनके पास जरूर रहेगा। अर्चना ने बताया कि जब ये सब हुआ, वह और बाकी लोग पहले ही कार में बैठ चुके थे। उन्होंने घर के नौकर मुकेश से पूछा, "इतना समय क्यों लग रहा है?" तो उसने जवाब दिया, "मैडम बादाम खा रही हैं।" लेकिन उसने यह नहीं बताया कि योगिता को गले में कुछ फंस गया है। अच्छी बात यह रही कि आर्यमान की सूझबूझ से समय पर योगिता की जान बच गई और अब वह पूरी तरह ठीक हैं। इसके बाद पूरा परिवार मुस्कुराते हुए अपनी ट्रिप पर निकल पड़ा।

अनीता हसनंदानी बनी 'छोरियां चली गांव' की विजेता, गांव में धूमधाम से जश्न मनाया गया

रियलिटी शो 'छोरियां चली गांव' का अंत हो चुका है और इस बार की ट्रॉफी अनीता हसनंदानी के नाम रही। 2 महीने तक चले इस अनोखे शो में सितारों ने गांव की जिंदगी को करीब से समझा और वहां के लोगों के साथ वक्त बिताया। शो के ग्रैंड फिनाले में ढोल–ताशे की गड़गड़ाहट के बीच अनीता की जीत का ऐलान किया गया, जिससे पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। 'छोरियां चली गांव' में फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। आखिरी दौर तक अनीता हसनंदानी और कृष्णा श्रॉफ के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। कृष्णा श्रॉफ फर्स्ट रनरअप रहीं। शो की मेजबानी रणविजय सिंह ने की। इस रियलिटी शो में प्रतिभागियों को गांव की पारंपरिक जिंदगी के हर पहलू से रूबरू होना पड़ा दृ चाहे वह गाय का दूध निकालना हो या खाने के लिए कुएं से पानी लाना। अनीता ने अपने आत्मविश्वास, मेहनत और सूझ–बूझ से गांववालों का दिल जीत लिया और ट्रॉफी अपने नाम की। फिनाले में टॉप 5 कंटेस्टेंट्स ने शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान डॉली जावेद की बहन उर्फी जावेद और कृष्णा श्रॉफ के बॉयफ्रेंड अजीम भी नजर आए। अनीता ने अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा,"जब मैंने इस शो के लिए हामी भरी तो मुझे पता था कि यह मेरा कम्फर्ट जोन तोड़ने वाला अनुभव होगा। लेकिन मुझे यकीन नहीं था कि मैं इतना कुछ सीख पाऊंगी और खुद को इतना बेहतर बना पाऊंगी। यह जीत सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि मेरे परिवार की भी है।"छोरियां चली गांव' के दौरान प्रतिभागियों ने न केवल अपनी कड़ी मेहनत दिखाई बल्कि गांववालों की मदद करने का भी बड़ा काम किया। डॉली जावेद ने किरण और उनकी मां को 60,000 रुपये और एक सिलाई मशीन दी। सुरभि मेहरा ने विनायक स्कूल के बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने का वादा किया। अनीता हसनंदानी ने शगुना बाई के पोते की पूरी पढ़ाई का खर्च उठाने का कमिटमेंट लिया। कृष्णा श्रॉफ ने मनीष को खेती के लिए 1 लाख रुपये की मदद दी। यह शो खास इसलिए था क्योंकि इसमें शहरी जीवन से दूर, सेलेब्रिटीज को गांव के कठिन संघर्षों से रूबरू कराया गया। इस दौरान उन्होंने गांववालों के साथ जुड़ाव बनाया और उनकी समस्याओं को समझा। कई कंटेस्टेंट्स ने इस दौरान गांव की समस्याओं को उजागर करते हुए मदद भी की, जो शो की सबसे बड़ी खासियत बनी।

करवाचौथ पर पार्लर को कहें 'ना'! घर पर ही मिनटों में बनाएं ट्रेंडिंग नेल आर्ट, पैसे भी बचेंगे

करवाचौथ का त्योहार नजदीक आ चुका है। ऐसे में महिलाएं तमाम तैयारियों में लगी है। अगर आप भी करवा चौथ के लिए सुंदर नेल्स के डिजाइंस बनवाने की सोच रही हैं, तो आपको ब्यूटी पार्लर जाने की अब कोई जरुरत नहीं, घर पर ही ईजी डिजाइंस की मदद से आप सुंदर नेल आर्ट बना सकते हैं। आइए आपको बताते हैं आप करवाचौथ पर अपने नेल्स पर किस तरह के डिजाइन्स बना सकते हैं।

करवाचौथ के त्योहार आने में अब ज्यादा दिन नहीं बचें है। करवाचौथ के खास मौके पर महिलाएं न केवल पारंपरिक कपड़े और गहनों से खुद को सजाती हैं, बल्कि अपने हाथों और पैरों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए नेल आर्ट भी करवाती हैं। आजकल लोग पार्लर से नेल आर्ट जरुर कराती हैं, जो हाथों की खूबसूरती बढ़ाते हैं। लेकिन इसके लिए अब पार्लर जाने की कोई जरुरत नहीं है। रेड, गोल्डन और मैरून रंगों की नेल पॉलिश इस दिन के लिए बेहद लोकप्रिय हैं। ग्लिटर, स्टोन और मिनिमलिस्ट डिज़ाइन भी नेल्स को आकर्षक बना देते हैं। करवाचौथ पर नेल आर्ट करने से खास लुक मिलता है जिससे एक परफेक्ट फेस्टिव टच मिलता है। आप घर पर ही आसान तरीके से नेल आर्ट के डिजाइन बना सकते हैं।

गोल्डन और रेड का कॉम्बो

करवा चौथ पर अपने नेल्स को सुंदर लुक देने के लिए आप गोल्डन और रेड का कॉम्बो जरुर ट्राई करें। यह डिजाइन भी काफी सिंपल और सुंदर लगता है। आपको इसके लिए शिमरी गोल्ड नेल पेंट लेनी है और रेड क्लासिक नेल पेंट। इस तरह के पैर्टन में आप नेल पेंट अप्लाई कर सकते हैं।

स्पार्कलिंग नेल्स

स्पार्कलिंग नेल्स का यह डिजाइन बेहद ही प्यारा है। इसमें नेल्स के बॉर्डर पर गोल्डन नेल पेंट अप्लाई कर सकती हैं, यह काम बेहद आसान है। ये पैर्टन काफी सिंपल है मगर यह डिजाइन काफी क्लासी लगता है।

स्टोन वर्क नेल आर्ट

आजकल स्टोन वर्क वाली नेल आर्ट काफी ट्रेंड में है। इस डिजाइन के लिए आपको ग्लिटर वाली नेल पेंट लगाना जरुरी है और स्टोन को लगाना है। किसी भी पिन की मदद से आप इस डिजाइन को फटाफट लगा सकते हैं। यह नेल आर्ट आप अपने मनपंसद नेल पेंट से ट्राई कर सकती हैं।

करवा चौथ पर ये सोलह श्रृंगार बनाते हैं व्रत को खास

हर साल सुहागिन महिलाओं के लिए आने वाला करवा चौथ व्रत बेहद खास होता है। यह व्रत पति की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए रखा जाता है। महिलाएं इस दिन पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं और चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही जल ग्रहण करती हैं। इस साल करवा चौथ का पर्व 10 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा।

करवा चौथ और सोलह श्रृंगार का महत्व

करवा चौथ पर 16 श्रृंगार करना बेहद शुभ माना गया है। हिंदू परंपरा में ऐसा कहा गया है कि जो महिला इस दिन पूरे सोलह श्रृंगार करती है, उसे अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। श्रृंगार न केवल सौंदर्य का प्रतीक है बल्कि यह एक शुभ संकेत भी माना जाता है जो स्त्री की विवाहित पहचान को दर्शाता है।

त्योहार की तैयारियां महीनों पहले से

महिलाएं इस त्योहार की तैयारियां महीनों पहले से शुरू कर देती हैं। नए कपड़े, गहने, पूजा की थाली और श्रृंगार सामग्री की खरीदारी पहले ही पूरी कर ली जाती है। इस दिन महिलाएं सुबह से ही सोलह श्रृंगार कर सजती–संवरती हैं और शाम को भगवान शिव, माता पार्वती और चंद्रमा की पूजा करती हैं।

सोलह श्रृंगार की पूरी लिस्ट

करवा चौथ पर किए जाने वाले सोलह श्रृंगार की लिस्ट में शामिल हैं

सिंदूरः विवाहित स्त्री का सबसे प्रमुख श्रृंगार, जो उसके सौभाग्य का प्रतीक है।

मेहंदीः हाथों की खूबसूरती बढ़ाने के साथ यह शुभता का संकेत देती है।

आलताः पैरों पर लगाया जाने वाला पारंपरिक रंग जो सुंदरता और पवित्रता को दर्शाता है।

कमरबंदः पारंपरिक आभूषण जो कमर को सुशोभित करता है।

पायलः पांवों की खूबसूरती और आकर्षण बढ़ाती है।

मांग टीकाः माथे के बीच में लगाया जाने वाला गहना जो सौंदर्य और वैवाहिक सुख का प्रतीक है।

झुमकेः कानों की सुंदरता बढ़ाने वाला मुख्य गहना।

मंगलसूत्रः पति के दीर्घायु का प्रतीक, हर विवाहित महिला का सबसे महत्वपूर्ण श्रृंगार।

बाजूबंदः हाथों को सजाने वाला पारंपरिक आभूषण।

बिछियाः पैरों की उंगलियों में पहनी जाने वाली अंगूठी जो सुहाग का प्रतीक है।

नथः नाक में पहना जाने वाला आभूषण जो स्त्री की शोभा बढ़ाता है।

बिंदीः माथे पर लगाई जाने वाली बिंदी जो शुभता और सौंदर्य का प्रतीक मानी जाती है।

गजराः बालों में लगाया जाने वाला फूलों का हार जो सुगंध और ताजगी का प्रतीक है।

अंगूठीः वैवाहिक प्रेम और बंधन का प्रतीक।

काजलः आंखों की सुंदरता को निखारने वाला श्रृंगार का आवश्यक हिस्सा।

चूड़ियांः हाथों की सुंदरता के साथ सौभाग्य का प्रतीक मानी जाती हैं।

क्यों जरूरी है पूरा श्रृंगार करना

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, करवा चौथ के दिन जो महिलाएं पूरे सोलह श्रृंगार करती हैं, उन्हें मां पार्वती का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यह श्रृंगार न केवल पति के लिए शुभ होता है बल्कि स्त्री के आत्मविश्वास और आभा को भी बढ़ाता है।

पहली बार व्रत रखने वाली महिलाओं के लिए टिप्स

अगर कोई महिला पहली बार करवा चौथ व्रत रख रही है, तो इस दिन अपनी शादी का जोड़ा पहनना शुभ माना जाता है। लाल या गुलाबी रंग के परिधान को इस दिन सबसे शुभ रंग माना गया है। इसके साथ गोल्ड या कुंदन ज्वेलरी पहनना पारंपरिक लुक को और भी निखारता है।

करवा चौथ की पूजा विधि

शाम को महिलाएं करवा माता की पूजा करती हैं और अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं। चांद निकलने के बाद पति के हाथों से पानी पीकर व्रत तोड़ा जाता है। पूजा के दौरान श्रृंगार की सारी सामग्री पूजा थाली में रखी जाती है, क्योंकि यह व्रत तभी पूर्ण माना जाता है जब स्त्री श्रृंगार से सजी हो। करवा चौथ न केवल एक धार्मिक व्रत है बल्कि यह पति–पत्नी के प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक भी है। इस दिन किया गया श्रृंगार स्त्री की सुंदरता ही नहीं बल्कि उसकी भावनाओं और संस्कृति को भी दर्शाता है। इसलिए करवा चौथ के दिन 16 श्रृंगार करना हर सुहागिन महिला के लिए शुभ और आवश्यक माना गया है।

करवा चौथ के दिन से लेकर रात तक करें ये काम, दंपति के बीच बढ़ेगा प्रेम और विश्वास

करवाचौथ हिन्दू धर्म में पत्नी द्वारा पति की लंबी उम्र और खुशहाली के लिए रखा जाने वाला व्रत है। यह व्रत विशेष रूप से उत्तर भारत में बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार, यह व्रत शिव और पार्वती जी के आदर्श प्रेम का प्रतीक भी है। करवाचौथ केवल एक व्रत नहीं, बल्कि पति–पत्नी के प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। व्रत का संकल्प, सूर्य–चंद्र पूजा, करवे का पूजन और निर्जला व्रत करने से पति की लंबी उम्र और दंपति के बीच प्रेम बढ़ता है। पति की लंबी उम्र और सुख–समृद्धि के उपायरू करवाचौथ पर पति की लंबी उम्र और दंपति के प्रेम को बढ़ाने के लिए निम्न उपाय किए जाते हैं–

सुबह का स्नान और साफ–सफाई

व्रत वाले दिन सुहागिन महिलाएं गंगा या किसी पवित्र जल में स्नान करके दिन की शुरुआत करें। घर और पूजा स्थल की सफाई कर, दीप और फूलों से सजाएं।

सूर्य देव और चंद्रमा की पूजा

सुबह सूर्य को अर्घ्य दें और शाम को चंद्रमा की पूजा करें। शास्त्रों में कहा गया है कि सूर्य और चंद्रमा की पूजा जीवन शक्ति और प्रेम बढ़ाने में सहायक होती है।

करवा और सिंदूर का पूजन

मिट्टी या धातु के करवे में जल और हल्दी, गुड़, चावल रखकर उसकी पूजा करें। सिंदूर और मेहंदी का विशेष महत्व है। इसे अपने हाथों और करवे में रखें।

व्रत का संकल्प और कथा का पाठ

करवाचौथ व्रत का संकल्प लें और कथा सुनें। कथा में शिव–पार्वती और समर्पण का महत्व बताया गया है, जो पति–पत्नी के प्रेम को बढ़ाता है।

उपवास और रात का चंद्र दर्शन

दिनभर निर्जला व्रत रखें और रात में साथ बैठकर चंद्रमा को अर्घ्य दें। पति का हाथ पकड़कर उन्हें देखने से प्रेम और श्रद्धा बढ़ती है।

करवा चौथ शास्त्रीय महत्व

शास्त्रों के अनुसार करवा चौथ व्रत रखने से पति की लंबी उम्र होती है। दंपति के बीच आपसी प्रेम और विश्वास बढ़ता है। परिवार में सुख, समृद्धि और सामंजस्य बना रहता है।

करवाचौथ पर बजट फ्रेंडली शॉपिंग के साथ चाहिए लेटेस्ट कलेक्शन? दिल्ली के इन मार्केट में जरुर जाएं

करवाचौथ के त्योहार आने में अब ज्यादा दिन नहीं बचें है। करवाचौथ के खास मौके पर महिलाएं पारंपरिक कपड़े और गहनों से खुद को सजाती हैं। सुहागिन स्त्रियों के लिए यह त्योहार सबसे पसंदीदा होता है। इस दिन को खास बनाने के लिए महिलाएं कई दिन पहले से ही तैयारियां शुरु कर देती है। यदि आप ने अभी तक करवा चौथ फेस्टिवल के लिए शॉपिंग शुरु नहीं की, तो दिल्ली के इन फेमस बाजारों में जरुर जाएं। यहां पर आप पारंपरिक साड़ियों से लेकर लहंगे, चूड़ियां, बिंदी, मेहंदी, चूड़ियां, ज्वेलरी और पूजा सामग्री जैसी सारी चीजें एक ही जगह मिल जाएंगी। सस्ते दाम पर ढेर सारा सामान खरीद सकते हैं।

लाजपत नगर मार्केट

दिल्ली का लाजपत नगर मार्केट करवाचौथ की खरीदरी के लिए सबसे बेस्ट है। यहां पर ज्वेलरी लेने में चूड़ियां, बिंदी, मेहंदी, चूड़ियां, ज्वेलरी और पूजा सामग्री जैसी सारी चीजें एक ही जगह मिल जाएंगी। इस बाजार में ज्वेलरी की दुकाने सजी रहती हैं। आपको यहां पर डिजाइनर लहंगा भी मिल जाएंगे।

चांदनी चौक

यह बाजार पारंपरिक कपड़ों की शॉपिंग के लिए बेहद खास है, आपको यहां पर साड़ी, ज्वेलरी और पूजा सामग्री सब सस्ते दाम में मिल जाएगी। दिल्ली की सबसे पुरानी मार्केट चांदनी चौक ही है। यहां एथनिक ड्रेस लेकर साड़ियां, लहंगे, सूट्स, चूड़ियां और ज्वेलरी सब मिल जाएगी। यहां पर पहुंचने के लिए आप सबसे नजदीकी मेट्रो स्टेशन चांदनी चौक है।

करोल बाग

दिल्ली के फेमस बाजारों में से एक है करोल बाग। यहां पर आप ट्रेडिशनल चोली, लहंगे और एक्सेसरीज खरीद सकते हैं। इस बाजार में ज्वेलरी और मेहंदी के स्टॉल्स भी काफी प्रसिद्ध है। करवाचौथ शॉपिंग के लिए यह जगह बजट फ्रेंडली है।

सरोजिनी नगर मार्केट

यहां पर आपको फैशनेबल और सस्ती शॉपिंग के लिए लेटेस्ट फैशन के कपड़े मिलेंगे। इस बाजार में एथनिक कपड़ों का शानदार कलेक्शन देखने को मिल जाएगा। साड़ी,लहंगा और सूट्स आपको सही दाम पर मिल जाएंगे। यहां पर ज्वेलरी का अच्छा कलेक्शन मिलता है, जिसे आप खरीद सकते हैं।

कमला नगर

दिल्ली की कमला नगर मार्केट काफी फेमस है। यहां पर आप ट्रेडिशनल शॉपिंग के साथ मेहंदी भी लगवा सकते हैं। इस बाजार में लहंगा और पूजा थाली का सामान अच्छा मिल जाएगा। यहां पर यूनिक और ट्रेंडी एथनिक कपड़े मिल जाएंगे।

संक्षिप्त

सैटकॉम बाजार में भारत लगाएगा लंबी छलांग, सिंधिया बोले- अगले कुछ सालों में होगा दोगुना

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा कि भारत का उपग्रह संचार (सैटकॉम) क्षेत्र उल्लेखनीय वृद्धि के लिए तैयार है क्योंकि नियामक ढाँचे स्थापित किए जा रहे हैं और लाइसेंसिंग प्रक्रियाएँ जल्द ही शुरू होने वाली हैं। सिंधिया ने कहा कि भारत में सैटकॉम बाज़ार अगले कुछ वर्षों में दोगुना होने की उम्मीद है। तीन सैटकॉम लाइसेंस पहले ही जारी किए जा चुके हैं, और मंत्री महोदय ने आशा व्यक्त की कि बाज़ार का तेज़ी से विस्तार होगा और अगले कुछ वर्षों में इसका आकार संभवतः दोगुना हो जाएगा। सिंधिया ने भारत के उपग्रह संचार क्षेत्र की आशाजनक प्रगति को रेखांकित करते हुए कहा कि सैटकॉम का भविष्य यह है कि इसके लिए मार्ग पहले ही तैयार हो चुका है। नियमन प्रक्रिया में है। लाइसेंसिंग व्यवस्था जल्द ही लागू होने की उम्मीद है। हम पहले ही तीन सैटकॉम लाइसेंस जारी कर चुके हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि अगले कुछ वर्षों में हमारा बाज़ार दोगुना हो जाएगा। सिंधिया ने 6ळ तकनीक की वैश्विक दौड़ में भारत के सक्रिय दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला। पिछली दूरसंचार पीढ़ियों में भारत की अनुपस्थिति पर विचार करते हुए, उन्होंने कहा, भारत ने शुरुआत की, बजाय इसके कि उसे कोई स्थान न मिले। इस बार, भारत ने जल्दी शुरुआत की है। चौथे स्थान पर हमारी कोई सीट नहीं थी। पाँचवें स्थान पर हमारी कोई सीट नहीं थी। लेकिन जहाँ तक 6ळ का सवाल है, हम शुरुआती कदम उठाने वालों में से हैं। उन्होंने बताया कि भारत ष्आईटीयू के साथ 6ळ में मानक निर्धारण और प्रोटोकॉल निर्धारण प्रक्रियाष में सक्रिय रूप से शामिल है, और ष्हमारे दो, तीन (प्रस्ताव) स्वीकार किए जा चुके हैं,ष जिसमें ष्सर्वव्यापी नेटवर्कष की अवधारणा भी शामिल है। सिंधिया ने यह भी बताया कि ष्दोनों लाइनों के बीच सात वर्टिकलष हैं, और इन मानकों में समन्वित योगदान सुनिश्चित करने के लिए ष्प्रगति के संदर्भ में लॉन्च के लिए एक अलग गैंट चार्टष का उपयोग किया जा रहा है।

आरबीआई के नीतिगत फैसले से एनबीएफसी को मिली मजबूती, मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अक्तूबर के नीतिगत उपाय भारत की गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए बड़ी राहत है। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई का फैसला एनबीएफसी और इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग सेक्टर के प्रति आरबीआई के सहायक रुख को दर्शाते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि आरबीआई ने फाइनल रेगुलेशंस में बैंक और उसकी समूह इकाइयों द्वारा किए जाने वाले व्यवसायों में ओवरलैप पर प्रस्तावित प्रतिबंध को हटा दिया है। ये रेगुलेशंस जल्द ही जारी होने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि हम मानते हैं कि यह हमारे कवरेज में आने वाले बैंक प्रमोटेड एनबीएफसी के लिए सकारात्मक संकेत है। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई ने ऑपरेशनल और उच्च गुणवत्ता वाले इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए एनबीएफसी ऋण पर जोखिम भार कम करने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग की लागत घटाने और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (PFC) और REC जैसी इंफ्रास्ट्रक्चर–फोकस्ड NBFCs को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से लिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि PFC और REC अच्छी तरह से पूंजीकृत और आत्मनिर्भर व्यवसाय हैं, इसलिए इस कदम से संरचनात्मक रूप से सकारात्मक असर होगा, लेकिन तत्काल वित्तीय लाभ सीमित रह सकता है।

भारत–अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर जल्द बनेगी सहमति, नीति आयोग के सीईओ को उम्मीद

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने सोमवार को यह बात कही।उन्होंने कहा है कि दोनों देश पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं। सुब्रह्मण्यम ने बताया कि भारत को टैरिफ और गैर–टैरिफ बाधाओं को कम करना चाहिए और विनिर्माण में प्रतिस्पर्धात्मकता स्तर पर सुधार के लिए अपने बाजारों को खोलना चाहिए। नीति आयोग के सीईओ ने 'ट्रेड वॉच क्वार्टरली' के शुभारंभ के अवसर पर कहा, अच्छी बात यह है कि दोनों पक्ष अब भी व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछले महीने बातचीत हुई थी, इसलिए मुझे लगता है कि दोनों पक्ष समझौते की उम्मीद कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से अगस्त में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिए जाने के बाद नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों गंभीर तनाव दिखा। इसमें भारत की ओर से रूसी कच्चे तेल की खरीद पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। भारत ने अमेरिका की इस कार्रवाई को ष्अनुचित, और अविवेकपूर्णष बताया था। भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ के असर पर बोलते हुए सुब्रह्मण्यम ने कहा, ष्व्यापार चौनल बनाना कठिन है, और व्यापार चौनल को समाप्त करना भी कठिन है... क्रिसमस तक कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।ष हालांकि नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि यदि दोनों देश व्यापार समझौते पर सहमत नहीं होते हैं तो समस्या हो सकती है। सुब्रह्मण्यम ने कहा, ष्हम नुकसान में हैं... 50 प्रतिशत टैरिफ एक बहुत बड़ा लागत कारक है... इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है। लोगों को उम्मीद है कि अगर नवंबर तक व्यापार समझौता हो जाता है, तो कोई व्यवधान नहीं होगा।ष इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों के नेताओं ने अधिकारियों को प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत करने का निर्देश दिया था। समझौते के पहले चरण को 2025 की अक्तूबर–नवंबर तक पूरा करने की योजना थी। अब तक पांच दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं। इस समझौते का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 191 अरब डॉलर से दोगुना से भी अधिक बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है।

रोहित ने 2012 में ही कर दी थी शुभमन के कप्तान बनने की भविष्यवाणी ? हिटमैन का पुराना पोस्ट वायरल

मुंबई। भारतीय क्रिकेट में बड़ा बदलाव तब देखने को मिला जब बीसीसीआई ने वनडे टीम की कप्तानी रोहित शर्मा से लेकर शुभमन गिल को सौंप दी। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए यह फैसला लिया, जिसने क्रिकेट प्रेमियों को चौंका दिया। रोहित की कप्तानी में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा था, लेकिन बोर्ड का मानना है कि अब नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने का समय है। इसी बीच सोशल मीडिया पर रोहित शर्मा का 13 साल पुराना संदेश वायरल हो गया, जिसने चर्चा को और भी दिलचस्प बना दिया।

नए युग की शुरुआत...

साल 2012 में रोहित शर्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा था, एक युग का अंत (45) और नए युग की शुरुआत (77)। जैसे ही यह पुराना पोस्ट सामने आया, फैंस में हलचल मच गई। लोगों ने इसे मौजूदा हालात से जोड़ते हुए कहा कि क्या रोहित ने 13 साल पहले ही शुभमन के कप्तान बनने की भविष्यवाणी कर दी थी? यह संयोग भी खास है, क्योंकि रोहित शर्मा की जर्सी संख्या 45 है और शुभमन गिल की 77 है।

असलियत कुछ और थी

हालांकि, इस पोस्ट की सच्चाई कुछ अलग थी। उस समय रोहित शर्मा अपनी जर्सी का नंबर बदलने के बारे में सोच रहे थे। वह अपने पुराने नंबर 45 की जगह नया नंबर 77 अपनाना चाहते थे। उन्होंने यह संदेश उसी बदलाव के संकेत के रूप में लिखा था। लेकिन अब, जब 77 नंबर पहनने वाले शुभमन गिल ने वास्तव में रोहित की जगह भारत की कप्तानी संभाल ली है, तो यह पुराना वाक्य आज भविष्यवाणी जैसा लग रहा है।

संयोग या संकेत?

रोहित शर्मा का वह पुराना पोस्ट दिलचस्प घटनाओं में शुमार हो गया है। चाहे यह महज एक संयोग हो या किस्मत का खेल, लेकिन 45 से 77 का यह सफर अब भारतीय क्रिकेट की नई कहानी बन गया है। फैंस का कहना है कि हिटमैन ने तो वाकई 13

साल पहले ही आने वाले समय की पटकथा लिख दी थी। 2012 में शुभमन जूनियर क्रिकेट खेल रहे थे और किसी को नहीं पता था कि यह खिलाड़ी आगे चलकर भारत का कप्तान बनेगा।

दो प्रारूपों के कप्तान बने गिल

26 साल के शुभमन गिल अब भारत के टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूपों की कमान संभाल रहे हैं। उन्होंने रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यह जिम्मेदारी ली थी।

इंग्लैंड में खेले गए एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी में गिल ने पहली बार टीम का नेतृत्व किया और सीरीज 2–2 से बराबरी पर रही। इस सीरीज में गिल की शांत स्वभाव, धैर्य और सूझबूझ की तारीफ कई पूर्व खिलाड़ियों ने की।

ऑस्ट्रेलिया में नई पारी की शुरुआत

गिल अब अपनी वनडे कप्तानी का आगाज 19 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया दौरे में करेंगे। पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। इस दौरे में रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों टीम का हिस्सा रहेंगे, जिससे गिल को अनुभव और मार्गदर्शन का बड़ा सहारा मिलेगा।

गिल की नजर अब विश्व कप पर

कप्तान बनने के बाद शुभमन गिल ने साफ कहा कि उनका लक्ष्य 2027 का विश्व कप जीतना है। आने वाले दो वर्षों में भारत लगभग 20 वनडे मुकाबले खेलेगा, जो टीम संयोजन और रणनीति के लिहाज से अहम रहेंगे। गिल चाहते हैं कि टीम हर परिस्थिति में संतुलित और मजबूत बने।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गरजा वैभव सूर्यवंशी का बल्ला, सचिन–लक्ष्मण की राह पर भारतीय युवा खिलाड़ी

14 सालके वैभव सूर्यवंशी का नाम देश का हर कोई जानता है। वह इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंडर–19 में कई रिकॉर्ड पारियां खेल चुके हैं। इसके अलावा वह आईपीएल में भी खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। जिन्होंने पिछले सीजन में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए 35 गेंदों में सेंचुरी जड़ी थी। हालांकि, अभी उनका अंडर–19 करियर भी ज्यादा लंबा नहीं हुआ है। उन्होंने पिछले साल ही डेब्यू किया, लेकिन अभी तक के आंकड़ों से लगता है कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया की धरती खूब रास आ रही है। ये कहना गलत भी नहीं होगा कि वैभव दिग्गज सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण की राह पर चल रहे हैं। अंडर–19 में वैभव सूर्यवंशी के रेड बॉल क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 221 रन बनाए हैं। इसमें 12 छक्के और 23 चौके शामिल हैं। वह अभी भी ऑस्ट्रेलिया में हैं जहां 7 अक्तूबर से भारत ए बनाम ऑस्ट्रेलिया ए के बीच दूसरा मल्टी डे मैच खेला जाएगा। वहीं भारतीय अंडर–19 का ये ऑस्ट्रेलिया दौरे का आखिरी मैच होगा। फिलहाल, वैभव का अभी इंटरनेशनल डेब्यू नहीं हुआ है। वह महज 14 साल के हैं लेकिन मल्टी डे मैचों से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि वो दिन दूर नहीं जब वह भारत के लिए इंटरनेशनल टीम में चुने जाएंगे। उनके रिकॉर्ड इस बात की गवाई भी दे रहे हैं कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया इतना क्यों पसंद आ रहा है। पिछले साल अंडर–19 टीम में डेब्यू करने वाले वैभव ने ऑस्ट्रेलिया के अलावा इंग्लैंड के साथ मल्टी डे मैच खेले हैं। अंडर–19 के तहत वैभव सूर्यवंशी ने अपने करियर में अभी तक 5 मल्टी डे मैच खेले हैं। इसमें से 3 मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जबकि दो मैच इंग्लैंड के खिलाफ हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 55.25 की एवरेज से 221 रन बनाए वहीं इंग्लैंड के खिलाफ उनका औसत 22.50 का है। इसके अलावा वैभव ने अंडर–19 रेड बॉल क्रिकेट में कुल 15 छक्के जड़े हैं जिसमें से 12 ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और सिर्फ 3 इंग्लैंड के खिलाफ मारे हैं। वहीं 14 वर्षीय इस बल्लेबाज ने कंगारू टीम के खिलाफ 14 चौके भी जड़े हैं। वैभव को ऑस्ट्रेलियाई टीम और सरजमीं से कुछ ज्यादा ही प्यार है। जिस कारण उन्हें कंगारू टीम रास आती है। ये 14 वर्षीय बल्लेबाज भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण की राह चल रहे हैं। टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक सचिन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही बनाए हैं। वहीं लक्ष्मण ने अंडर–19 लेवल पर मल्टी डे मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 110.50 की औसत से 441 रन बनाए।

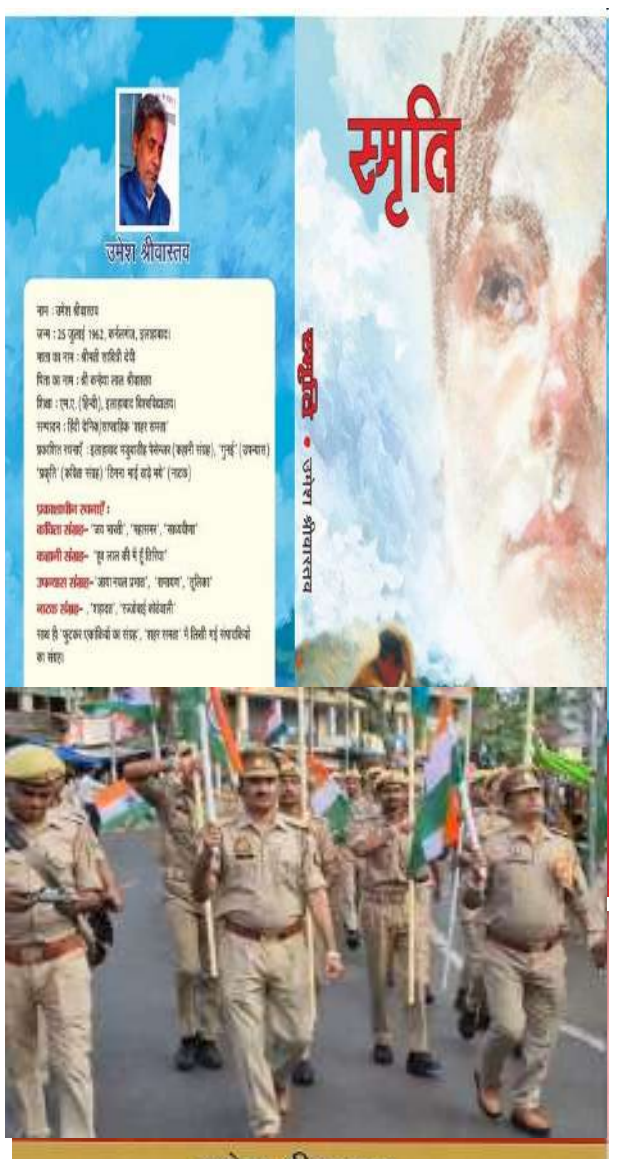

उमेश श्रीवास्तव

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

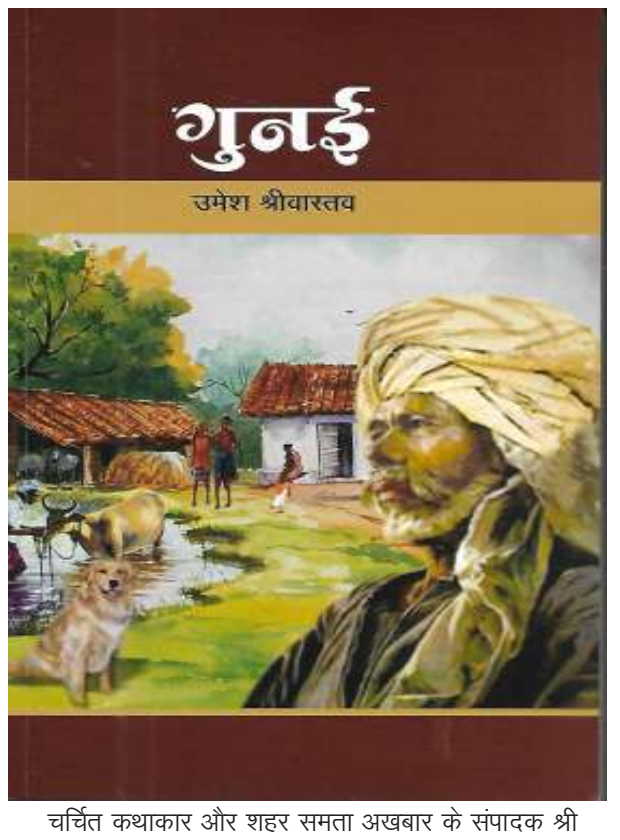

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

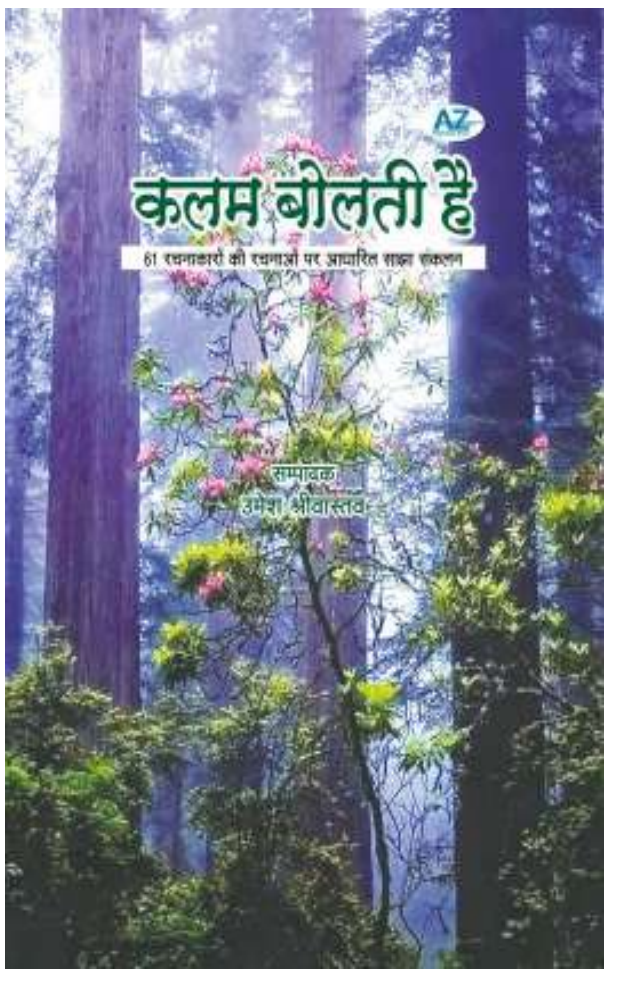

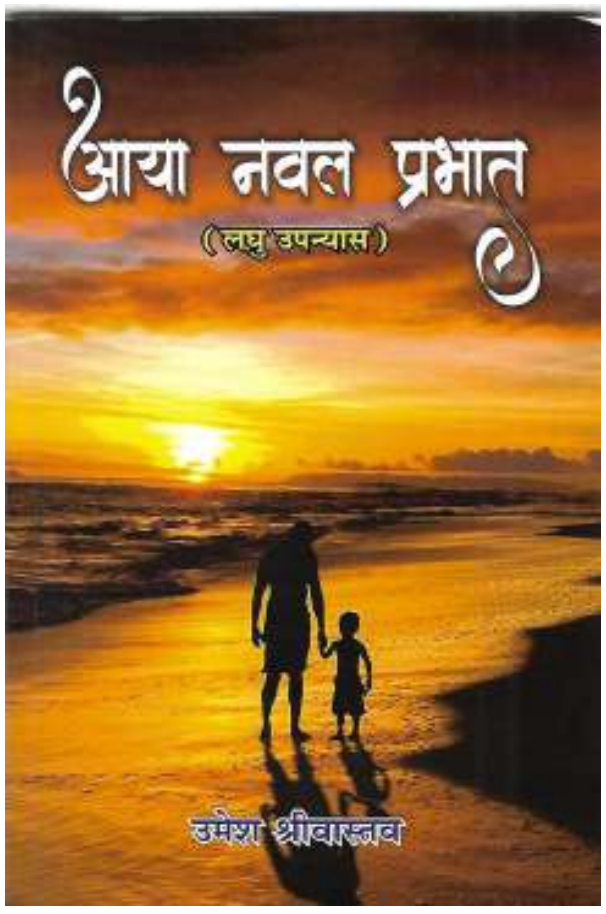

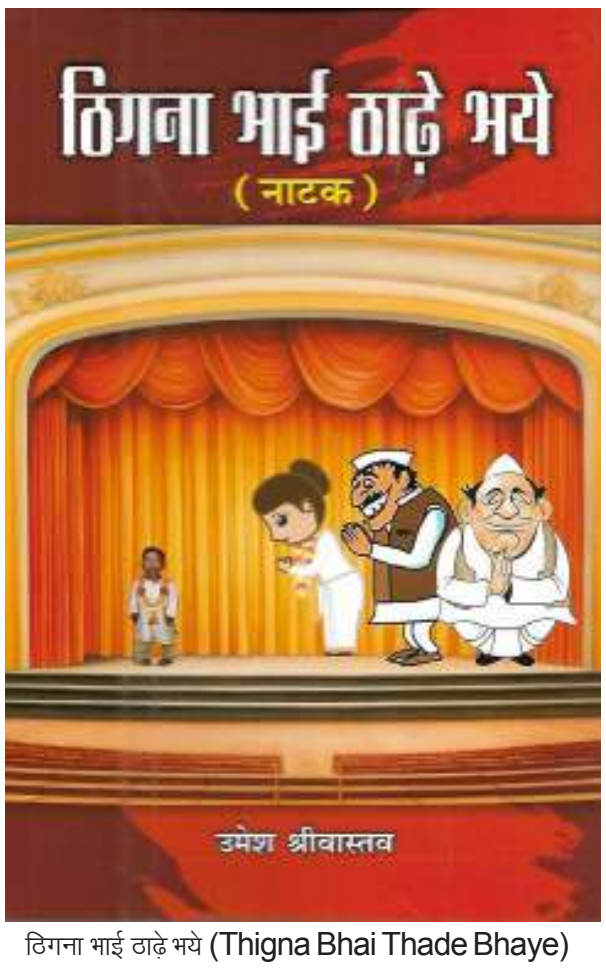

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

मरियम नवाज का सबसे बड़ा कबूलनामा, पूरे पाकिस्तान में मचा हड़कंप

भिखारिस्तान मतलब कि पाकिस्तान और उसके कटोरे की दास्तांन तो पूरी दुनिया में चलती आ रही है। कभी आईएमएफ तो कभी वर्ल्ड बैंक, कभी चीन तो कभी अमेरिका के सामने पाकिस्तान का कटोरा पेश होता ही रहा है। दुनिया में कटोरा डिप्लोमैसी करने वाला पाकिस्तान इस कदम भिखमंगा बन चुका है कि उसकी सच्चाई अब आवाम के साथ साथ खुद शहबाज के रिश्तेदार भी दुनिया को बता रहे हैं। पूरी दुनिया जो खुली जुबां में कहती है वो अब उसके हुक्मरान भी मानने लगे हैं। दरअसल, मरियम नवाज शरीफ ने कुछ ऐसा ही कबूलनामा हाल ही में किया, जिसमें उन्होंने भिखारिस्तान की पूरी सच्चाई खुद ही दुनिया के सामने खोल कर रख दी। मरियम नवाज पाकिस्तान में स्टेज पर खड़े होकर खुद मान रही हैं कि कैसे पाकिस्तान की इज्जत पूरी दुनिया में दो कौड़ी की भी नहीं रही है। कैसे पाकिस्तान दुनिया में सिर्फ कटोरा लेकर खड़ा है। मरियम नवाज फैसलाबाद में स्टेज पर खड़ी होकर झोली फैलाकर दिखा रही हैं। पाकिस्तान की असलियत न सिर्फ फैसलाबाद बल्कि पूरी दुनिया को बता रही हैं। दुनिया जानती है कि पाकिस्तान आज जो भी काम कर रहा है वो भीख की बदौलत है। वहां के हुक्मरान जहां जाते हैं, भीख मांगने लगते हैं। आईएमएफ से लोन लेकर जो देश चलाया जा रहा है। यहां तक की उसकी डिप्लोमैसी को भी कटौरा डिप्लोमैसी ही कहा जाता है। ये बात आवाम भी अच्छे से जानती है। एक रैली में मरियम ने कहा कि कुछ लोग बाढ़ पर सियासत कर रहे हैं। बाढ़ से पंजाब परेशान है और हम इसे दुरुस्त करने में लगे हैं, लेकिन कुछ लोग उंगली उठा रहे हैं। मुझ पर अगर कोई निजी हमला करना चाहता है तो कर लें, लेकिन बाढ़ पर सवाल उठाया तो उंगली तोड़ दूंगी। नेशनल असेंबली में मरियम नवाज के बयान पर बवाल मच गया है। पीपीपी के सांसदों ने मरियम से तुरंत माफी मांगने के लिए कहा है। असेंबली में पीपीपी के सांसदों का कहना है कि मुद्दों की राजनीति में हिंसा की कोई जगह नहीं है। पाकिस्तान के हुक्मरानों यानी शहबाज एंड कंपनी ने पाकिस्तानियों को किसी लायक नहीं छोड़ा है। पाकिस्तान पर कुल जीडीपी का 42 : कर्ज है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार सिर्फ 15 अरब डॉलर है। पाकिस्तान में गरीबी दर 40 फीसदी पहुंच चुकी है। पाकिस्तान में महंगाई दर 24 फीसदी तक पहुंच चुकी है। पाकिस्तान के 80 : लोगों को पौष्टिक आहार तक नसीब नहीं होता है। सोचिए ऐसे हालात में अब पाकिस्तानी भीख नहीं मांगेंगे तो भला क्या करेंगे?

संक्षिप्त

इमैनुएल मैक्रों को बड़ा झटका, एक महीने में ही फ्रांस के प्रधानमंत्री ने दिया इस्तीफा

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने नई कैबिनेट की नियुक्ति के कुछ ही घंटों बाद इस्तीफ़ा दे दिया है। पूर्व रक्षा मंत्री लेकोर्नू को पिछले महीने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने नियुक्त किया था। इस अप्रत्याशित इस्तीफे ने एक बार फिर फ्रांस में गहराते राजनीतिक संकट को उजागर कर दिया है। एलिसी

के प्रेस कार्यालय ने कहा सेबेस्टियन लेकोर्नु ने अपनी सरकार का इस्तीफा गणराज्य के राष्ट्रपति को सौंप दिया है, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। मैक्रों के करीबी सहयोगी लेकोर्नु ने रविवार को राजनीतिक दलों के साथ हफ़्तों के विचार–विमर्श के बाद अपने मंत्रिमंडल का गठन किया और मंत्रिमंडल की पहली बैठक सोमवार को होनी थी। लेकिन मैक्रों की लगभग अपरिवर्तित मंत्रिमंडल घोषणा पर विपक्षी दलों और यहाँ तक कि उनके अपने समर्थकों की भी तीखी प्रतिक्रिया हुई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांसीसी सोशलिस्ट पार्टी के नेता ओलिवियर फॉरे, जिनकी पार्टी संसद में संभावित रूप से निर्णायक वोट हासिल करने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि मैक्रों का समूह बिखर रहा है और नई सरकार की कोई वैधता नहीं बची है। लेकोर्नु के इस्तीफे से पहले उन्होंने कहा कि हम एक अभूतपूर्व राजनीतिक संकट का सामना कर रहे हैं। फ्रांस राजनीतिक और आर्थिक संकट से जूझ रहा है, क्योंकि लेकोर्नू के दो पूर्ववर्ती, फ्रेंकोइस बायरू और मिशेल बार्नियर को व्यय योजना पर गतिरोध के कारण विधानमंडल द्वारा पद से हटा दिया गया था। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि फ्रांस का सार्वजनिक ऋण रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है और फ्रांस का ऋण–जीडीपी अनुपात अब ग्रीस और इटली के बाद यूरोपीय संघ में तीसरा सबसे अधिक है।

टेक्सास में मां ने अपने ही चार बच्चों पर गोलियां चलाई, दो की मौत

अमेरिका के टेक्सास राज्य में एक महिला ने कथित तौर पर अपने चार बच्चों पर गोलियां चलाईं, जिससे उनमें से दो की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि उस पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। ब्रेजोरिया काउंटी के शेरिफ बो स्टालमैन ने पत्रकारों को बताया कि उस 31 वर्षीय महिला पर हत्या और घातक हथियार से गंभीर हमले के दो–दो मामले दर्ज किए गए हैं और उसे 1.4 डॉलर के बॉन्ड पर हिरासत में लिया गया है। स्टालमैन ने कहा कि चार बच्चों में से दो की उम्र 13 और 4 साल थी, जो शनिवार को एक वाहन के अंदर गोली लगने से मारे गए। अन्य बच्चों की उम्र 8 और 9 साल है, जिन्हें एक मेडिकल हेलीकॉप्टर द्वारा ह्यूस्टन क्षेत्र के एक अस्पताल में ले जाया गया है और उनकी हालत स्थिर है। स्टालमैन ने बताया कि गोली चलाने के बाद महिला ने अधिकारियों को सूचित करने के लिए कॉल किया था। अधिकारियों ने घटनास्थल से एक हथियार बरामद किया है। स्टालमैन ने कहा, इस तरह की संवेदनहीन त्रासदी को समझना असंभव है लेकिन हम इन बच्चों को न्याय दिलाने के लिए वह सब करेंगे जो हम कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला ह्यूस्टन के उत्तर में स्थित मोंटगोमरी काउंटी की निवासी है। यह घटना एंगलटन में हुई, जो लगभग 19,500 की आबादी वाला एक शहर है। यह ह्यूस्टन से लगभग 45 मील (70 किलोमीटर) दक्षिण में स्थित है।

बर्फीले तूफान के बाद माउंट एवरेस्ट के तिब्बती हिस्से में फंसे करीब 1,000 पर्वतारोही, बचाव कार्य जारी

बर्फीले तूफान के कारण माउंट एवरेस्ट के तिब्बती हिस्से में फंसे लगभग एक हजार लोगों को बचाने के लिए रविवार को अभियान जारी रहा। करीब 4,900 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित इस क्षेत्र में बर्फबारी के कारण रास्ते अवरुद्ध हो गए हैं, जिन्हें हटाने के लिए सैकड़ों स्थानीय ग्रामीणों और बचाव दल को तैनात किया गया है। बीबीसी ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि कुछ पर्यटकों को पहले ही बचा लिया गया है। बर्फबारी का यह दौर शुक्रवार शाम से शुरू हुआ और तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के पूर्वी हिस्से में और तेज हो गया। यह इलाका पर्वतारोहियों के बीच काफी लोकप्रिय है। माउंट एवरेस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है, जिसकी ऊंचाई 8,849 मीटर से अधिक है, और इसे चीन में माउंट कोमोलांगमा कहा जाता है।

यूक्रेन में रूसी कहर, 5 नागरिक मारे गए, ल्वीव से जापोरिज्जिया तक हाहाकार

रूस द्वारा यूक्रेन के नौ क्षेत्रों पर किए गए बड़े हमले में कम से कम पांच नागरिकों की मौत हो गई और नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला मुख्य रूप से मिसाइलों, ड्रोनों और बमों का उपयोग करके किया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार सुबह जानकारी दी कि मॉस्को ने लगभग 500 ड्रोन और 50 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले में पश्चिमी यूक्रेन का शहर ल्वीव सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। क्षेत्रीय अधिकारियों और यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार, ल्वीव में चार लोगों की मौत हुई और कम से कम चार अन्य घायल हुए। ल्वीव के महापौर एंड्री सदोवी ने बताया कि हमले के कारण रविवार तड़के दो जिलों में बिजली गुल हो गई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

सेना प्रमुख की चेतावनी पर पाकिस्तान का पलटवार, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ बोले–

लड़ाकू विमानों के मलबे में दफन हो जाएगा भारत

भारतीय सैन्य नेताओं की कड़ी चेतावनियों के बाद, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत के खिलाफ धमकी जारी की। उन्होंने कहा कि अगर तनाव बढ़ा तो भारत ष्अपने लड़ाकू विमानों के मलबे के नीचे दब जाएगाष्। यह धमकी भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा इस्लामाबाद को आतंकवाद के समर्थन के बारे में चेतावनी देने के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि इससे वह दुनिया के नक्शे से गायब हो सकता है। आसिफ ने भारतीय नेताओं पर विश्वसनीयता हासिल करने के लिए ष्भड़काऊ बयानष् देने का आरोप लगाया। उन्होंने इन टिप्पणियों को मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी प्रतिष्ठा बहाल करने का एक ष्असफल प्रयासष् बताया। आसिफ ने 0–6 के स्कोर का ज़िक्र करते हुए, ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान द्वारा छह भारतीय विमानों को मार गिराए जाने के अपुष्ट दावों की ओर इशारा किया, हालाँकि कोई सबूत नहीं दिया गया।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का बयान

आसिफ की यह टिप्पणी भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुखों और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा पाकिस्तान को किसी भी दुस्साहस के प्रति आगाह किए जाने के बाद आई है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय सैन्य और राजनीतिक नेताओं द्वारा दिए गए ऐसे बयान उनकी खोई हुई विश्वसनीयता को बहाल करने का एक असफल प्रयास थे और मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद दबाव के कारण थे।

पाक मंत्री की भारत को दफनाने की धमकी

आसिफ ने कहा, भारतीय सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व के बयान उनकी धूमिल प्रतिष्ठा को बहाल करने का एक असफल प्रयास हैं। 0–6 के स्कोर वाली इतनी निर्णायक हार के बाद, अगर वे फिर से कोशिश करते हैं, तो ईश्वर की इच्छा से, स्कोर पहले से कहीं बेहतर होगा।ष् हालाँकि आसिफ ने 0–6 के स्कोर से अपने आशय के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन इसे व्यापक रूप से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान द्वारा छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने के अपुष्ट दावों के रूप में संदर्भित किया जाता है। इस्लामाबाद ने अपने दावों के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया है। ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को शुरू किया गया था और भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ढाँचों को निशाना बनाया था। इन हमलों के बाद चार दिनों तक भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुईं। भारत यह कहता रहा है कि भारतीय सेना द्वारा विभिन्न पाकिस्तानी सैन्य ढाँचों पर बमबारी के बाद पाकिस्तान ने मई में शत्रुता समाप्त करने का अनुरोध किया था।

सेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल और राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को चेतावनी

4 अक्टूबर को, सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वह विश्व मानचित्र पर अपना स्थान बनाए रखना चाहता है तो उसे अपनी धरती पर आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नई दिल्ली द्वारा दिखाया गया संयम भविष्य में किसी भी सैन्य संघर्ष की स्थिति में दोहराया नहीं जाएगा। जनरल द्विवेदी ने कहा, एक देश के रूप में, भारत इस बार पूरी तरह तैयार है। और इस बार, वह ऑपरेशन सिंदूर 1. 0 के दौरान दिखाए गए संयम का परिचय नहीं देगा। इस बार हम एक कदम आगे बढ़ेंगे और इस तरह से कार्य करेंगे जिससे पाकिस्तान को यह सोचना पड़ेगा कि वह विश्व मानचित्र पर बना रहना चाहता है या नहीं। इसके अलावा, एयर चीफ मार्शल एपी

सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हमलों में अमेरिकी मूल के ष्–16 जेट सहित कम से कम एक दर्जन पाकिस्तानी सैन्य विमान नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने भारत के नुकसान के इस्लामाबाद के दावों को काल्पनिक कहानियाँ बताया। उन्होंने कहा, ष्खुफिया रिपोर्ट से हमें जो जानकारी मिली है, वह यह है कि इन हमलों के कारण कम से कम चार जगहों पर रडार, दो जगहों पर कमांड और कंट्रोल सेंटर, दो जगहों पर रनवे और फिर तीन अलग–अलग स्टेशनों पर उनके तीन हैंगर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। शुक्रवार को हैदराबाद में एक कार्यक्रम में, राजनाथ सिंह ने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 के बालाकोट हवाई हमले और ऑपरेशन सिंदूर का हवाला देते हुए कहा कि भारत अपने लोगों की रक्षा और देश की एकता व अखंडता की रक्षा के लिए जब भी आवश्यक हो, किसी भी सीमा को पार कर सकता है। पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए, राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि सर क्रीक क्षेत्र में इस्लामाबाद द्वारा किया गया कोई भी दुस्साहस एक षनिर्णायक प्रतिक्रियाष् को आमंत्रित करेगा जो इतिहास और भूगोल दोनों को बदलने के लिए पर्याप्त रूप से सशक्त हो सकती है। सर क्रीक गुजरात के कच्छ के रण और पाकिस्तान के बीच 96 किलोमीटर लंबा ज्वारीय मुहाना है और दोनों पक्षों द्वारा समुद्री सीमा रेखाओं की अलग–अलग व्याख्याओं के कारण इसे एक विवादित क्षेत्र माना जाता है। भारत और पाकिस्तान के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंध 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी, के बाद और बिगड़ गए। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने सहित कई कूटनीतिक कदम उठाकर जवाब दिया। नई दिल्ली ने स्पष्ट कर दिया है कि इस्लामाबाद के साथ भविष्य की किसी भी बातचीत में केवल पीओके को भारत को वापस करने की बात शामिल होगी।

नेपाल: मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ में 52 लोगों की मौत

पूर्वी नेपाल में विभिन्न स्थानों पर कल रात से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन हुआ और बाढ़ आई, जिससे रविवार सुबह तक कम से कम 52 लोगों की मौत हो गई। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार सुबह 10 बजे से रविवार सुबह 10 बजे तक हुई मौतों में से अधिकांश 37 लोग सबसे अधिक प्रभावित कोशी प्रांत से थे जहां बाढ़, भूस्खलन, बिजली गिरने और सड़क दुर्घटनाओं के कारण मरने वालों की संख्या में वृद्धि हुई, जबकि नेपाल के सात प्रांतों में से पांच कोशी, मधेस, बागमती, गंडकी और लुम्बिनी में मानसून सक्रिय था। स्थानीय मीडिया ने जल विज्ञान और मौसम विज्ञान विभाग के हवाले से रविवार सुबह बताया कि शुक्रवार से लगातार हो रही बारिश के कारण पूर्वी नेपाल में आठ प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गई हैं। साथ ही बागमती और पूर्वी राप्ती नदियों के आसपास के क्षेत्रों के लिए रेड अलर्ट भी

जारी किया गया है। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि रविवार सुबह आसमान साफ़ होने के बाद काठमांडू से घरेलू उड़ानें फिर से शुरू हो गईं। खराब मौसम के कारण शनिवार से सभी प्रांतों के लिए उड़ानें रोक दी गई थीं। नेपाल सेना, नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के जवानों को विभिन्न क्षेत्रों में बचाव अभियान चलाने के लिए तैनात किया गया। इलाम जिले से एक गर्भवती महिला सहित चार लोगों को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थान पर लाया गया गया और धरान नगरपालिका के एक अस्पताल में ले जाया गया। नेपाल सरकार ने रविवार को वर्षाजनित आपदाओं में मारे गए लोगों के परिजनों को तत्काल राहत के रूप में 2,00,000 नेपाली रुपये (एनआर) देने की घोषणा की। राष्ट्रीय आपदा एवं जोखिम न्यूनीकरण प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के एक बयान में कहा गया है कि मृतकों के परिजनों को आर्थिक मुआवजा देने के अलावा, घायलों को मुफ्त इलाज मुहैया कराया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हिमालयी राष्ट्र को मदद की पेशकश करते हुए कहा कि भारत हर प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, नेपाल में भारी बारिश के कारण हुई जान–माल की हानि और क्षति दुखद है। हम इस कठिन समय में नेपाल की जनता और सरकार के साथ हैं। बाढ़ और भूस्खलन के कारण उदयपुर में दो और पंचथार में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा, रौतहट में बिजली गिरने से तीन और खोतांग जिले में दो लोगों की मौत हो गई। इस बीच, पंचथार जिले में भारी बारिश के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण हुई एक दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। रसुवा जिले के लांगटांग संरक्षण क्षेत्र में उफनती नदी में बह जाने से कम से कम चार लोग लापता हो गए, और इल्लम, बारा तथा काठमांडू में बाढ़ की घटनाओं में एक–एक व्यक्ति लापता हैं। धौबाजी ने बताया कि लांगंग क्षेत्र में ट्रैकिंग अभियान पर गए 16 लोगों में से चार लोग भी लापता हो गए हैं। काठमांडू घाटी में रविवार को, पिछले दो दिनों की तुलना में कम बारिश हुई और कुछ राष्ट्रीय राजमार्गों से भूस्खलन के कारण हुई रुकावटें हटा दी गई हैं।

म्यांमार में एक घंटे के भीतर भूकंप के दो झटके

म्यांमार में एक घंटे के भीतर दो बार भूकंप के झटके लगे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि रविवार आधी रात के थोड़ी ही देर बाद म्यांमार में करीब 12.16 बजे 3.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 73 किलोमीटर की गहराई में आया। इसके करीब एक घंटे बाद 01.14 बजे धरती एक बार फिर कांपी। रिक्टर पैमाने पर भूकंप के दूसरे झटके की तीव्रता 3.6 मापी गई। इस भूकंप का केंद्र 88 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के कारण किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

फलस्तीन समर्थकों के प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाएगा ब्रिटेन

ब्रिटेन, बार–बार होने वाले विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। सरकार ने रविवार को कहा कि लगातार होने वाले विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए अब पुलिस को और अधिकार मिलेंगे। इससे उसे मार्च और प्रदर्शनों पर शर्तें लगाते समय प्रदर्शनों के समग्र प्रभाव पर विचार करने का मौका मिलेगा। यह फैसला राजधानी लंदन में प्रतिबंधित समूह फलस्तीनी एक्शन के समर्थन में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान लगभग 500 लोगों की गिरफ्तार के बाद लिया गया है।

टीटीपी आतंकियों व शांति समिति सदस्यों के बीच झड़प, दो की मौत

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों और शांति समिति के सदस्यों के बीच झड़प में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार को टैंक जिले में गुल इमाम में हुई। झड़प में कई घालय भी हुए हैं।ष्मृतकों में एक पैदल यात्री भी शामिल है। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर आतंकवादियों की तलाश तेज कर दी है।

पाकिस्तान में बंदूकधारियों ने की अफगान मौलवी की हत्या

पाकिस्तान के पेशावर में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक अफगान मौलवी की गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना ऐसे समय में हुई, जब अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान में निर्वासन और उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, मृतक की पहचान पक्तिया प्रांत के अफगान इमाम आदम खान के रूप में हुई। खान पर रजा खान मरियमजई मस्जिद के पास हमला हुआ और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

अमेरिका : आईसीई प्रदर्शनकारियों ने महिला को गोली मारी, गंभीर

अमेरिका के शिकागो में कानून प्रवर्तन अधिकारी के वाहन को टक्कर मारने पर संघीय एजेंटों ने एक महिला को गोली मारकर घायल कर दिया। महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह घटना बढ़ते आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन विरोधी प्रदर्शन और ट्रंप सरकार की ओर से डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में अशांति को कम करने के प्रयासों के बीच हुई। संघीय एजेंटों का दावा है 10 कारों ने मिलकर अधिकारियों को घेर लिया था। इनमें एक कार के चालक के पास अर्ध–स्वचालित हथियार था, इसलिए उन्हें आत्मरक्षा में गोली चलानी पड़ी।

रूस ने पाक को लड़ाकू विमान के इंजन बेचने के दावे को किया खारिज

रूस ने पाकिस्तान के जेएफ–17 थंडर ब्लॉक–3 लड़ाकू विमानों के लिए आरडी–93एमए इंजन आपूर्ति करने के दावों को खारिज किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि रूस ने पाकिस्तान को इन इंजनों की आपूर्ति करने का फैसला किया है। रूस ने कहा कि वह पाकिस्तान के साथ ऐसा कोई करार नहीं करेगा, जिससे भारत को असुविधा हो।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।